RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 97 ता. 04 अक्टूबर 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

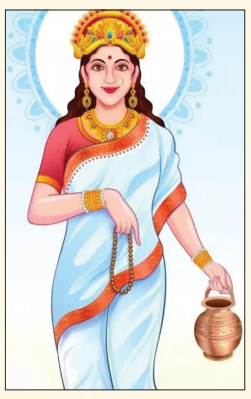

नव दुर्गा के दूसरे रूप का नाम है मां ब्रह्मचारिणी। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है वह जो असीम, अनन्त में विद्यमान, गतिमान है। एक ऊर्जा जो न तो जड़ न ही निष्क्रिय है, किन्तु वह जो अनन्त में विचरण करती है। यह बात समझना अति महत्वपूर्ण है – एक गतिमान होना, दूसरा विद्यमान होना।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर निर्माण का काम शुरु

अयोध्या । अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर तेजी से निर्माणाधीन है। वहीं बालक राम की मूर्ति 22 जनवरी 2024 को मंदिर में विराजमान हो चुकी है। इसके बाद से मंदिर के संपूर्ण निर्माण कार्य को गति दी जा रही है, मंदिर निर्माण को जून 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य तय कियागया है। इस निर्माण प्रक्रिया की निगरानी के लिए अयोध्या में दो दिवसीय बैठक शुरू हो चुकी है, जिसमें कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गई हैं। भवन निर्माण समिति प्रमुख निपेंद्र मिश्रा ने बताया कि शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से 161 फीट ऊंचे शिखर का निर्माण भी शुरू हो गया है, जो अगले चार महीनों में पूरा होगा। इसके अलावा, मंदिर के अन्य हिस्सों पर भी तेजी से काम चल रहा है, जो कि इसी अवधि में पूरा कर लिया जाएगा। राम मंदिर परिसर में केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि राम दरबार और सात अन्य मंदिरों का भी निर्माण हो रहा है, इस साल 2025 तक पूरा करने की योजना है। इसके साथ ही, राम मंदिर परिसर में यात्री सुविधाओं का भी विस्तार हो रहा है। इसमें 10,000 लोगों के बैठने की क्षमता वाला यात्री सुविधा केंद्र भी शामिल है, जो अब पूरी तरह से तैयार है और संचालित हो रहा है। यह मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक माहौल भी प्रदान करेगा।

गांधी जयंती पर कंगना का विवादित बयान

–कांग्रेस भड़की तो भाजपा ने भी कर दी निंदा

नई दिल्ली। अभिनेत्री से भाजपा नेत्री बनीं सांसद कंगना रानौत ने एक बार फिर विवादित बयान देकर बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने गांधी जयंती के मौके पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, देश के पिता नहीं, देश के तो लाल होते हैं। धन्य हैं भारत माता के ये लाल।लाल बहादुर शास्त्री और महात्मा गांधी पर पोस्ट पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने महात्मा गांधी पर उनके कटाक्ष के लिए कंगना रनौत की आलोचना की है।श्रीनेत ने कहा, भाजपा सांसद कंगना ने महात्मा गांधी की जयंती पर यह भद्दा कटाक्ष किया। गोडसे के उपासक बापू और शास्त्री जी में अंतर करते हैं। क्या नरेंद्र मोदी अपनी पार्टी के नए गोडसे भक्त को दिल से माफ करेंगे? राष्ट्रपिता हैं, बेटे हैं और शहीद हैं। सभी का सम्मान किया जाना चाहिए। पंजाब के वरिष्ठ भाजपा नेता मनोरंजन कालिया ने भी कंगना रनौत की टिप्पणी की आलोचना की। कालिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मैं गांधी जी की 155वीं जयंती पर कंगना रनौत की टिप्पणियों की निंदा करता हूं। अपने छोटे से राजनीतिक जीवन में उन्हें विवादास्पद बयान देने की आदत हो गई है। उन्होंने कहा, राजनीति उनका क्षेत्र नहीं है। राजनीति एक गंभीर मामला है। बोलने से पहले सोचना चाहिए। उनकी विवादास्पद टिप्पणी पार्टी के लिए परेशानी का कारण बनती है। पिछले महीने ही कंगना रनौत को 2021 में निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों की वापसी की वकालत करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। कंगना ने आरोप लगाया कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि विरोध स्थलों पर लाशें लटक रही थीं और बलात्कार हो रहे थे। बाद में कंगना रनौत ने अपने बयान को वापस लेते हुए स्वीकार किया कि उन्हें याद रखना चाहिए कि वह केवल एक कलाकार ही नहीं बल्कि भाजपा की सदस्य भी हैं।

साईं बाबा की प्रतिमाओं को हटाने का आरोपी...अजय पुलिस हिरासत में

वाराणसी । धर्मनगरी वाराणसी में साईं बाबा की प्रतिमाओं को हटाने की कोशिश में लगे सनातन रक्षक दल के अध्यक्ष अजय शर्मा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। शर्मा ने हाल ही में बड़ा गणेश मंदिर सहित 10 अन्य स्थानों से साईं बाबा की प्रतिमाएं हटवाई थीं और उनकी फिर से हटाने की योजना बना रहे थे, इसके बाद उन्हें शांति भंग की आशंका में पकड़ा गया। शर्मा का कहना है कि साईं बाबा की प्रतिमाएं मंदिरों में स्थापित नहीं हो सकतीं, वेद, पुराण और शास्त्रों में भी इसका उल्लेख नहीं है। उनका मानना है कि मंदिरों में किसी मृत व्यक्ति की मूर्ति स्थापित नहीं की जानी चाहिए। इस बीच, साईं बाबा के भक्तों ने भी प्रतिमाओं की रक्षा के लिए एक नया संगठन बनाया है। श्री साईं सेवक दल बनारस नामक संगठन का गठन साईं भक्तों ने किया है।

हरियाणा में चुनाव प्रचार खत्म होने पर बोले पीएम मोदी

भरोसा दिल से, भाजपा फिर से... कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार खत्म होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बीजेपी की हैट्रिक का भरोसा जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा के लोग एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन देंगे, उन्होंने कहा कि राज्य के देशभक्त नागरिक कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अपने एक्स पोस्ट में मोदी ने लिखा कि बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है। मैंने लोगों का जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं। हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

प्रधानमंत्री ने आगे लिखा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने हरियाणा के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। हमने सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। किसान हों, युवा हों, महिलाएं हों, गांव और शहरों का विकास हो, हमने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हम हरियाणा को कांग्रेस के घोटालों और दंगों वाले दौर से बाहर निकालकर लाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा

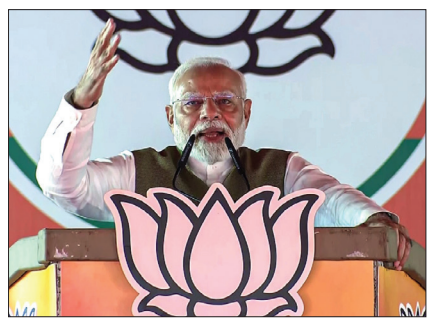

की जनता-जनार्दन जानती है कि कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई-भतीजावाद की गारंटी है। बापू-बेटे की राजनीति का मूल उद्देश्य सिर्फ स्वार्थ है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस यानि दलाल और दामाद का सिंडिकेट...। लोग आज हिमाचल से कर्नाटक तक कांग्रेस सरकारों की विफलता भी देख रहे हैं। कांग्रेस की नीतियां, लोगों को तबाह करती हैं इसलिए हरियाणा के लोग कांग्रेस को बिल्कुल नहीं चाहते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता यह जानती हैं कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग देख रहे हैं कि कैसे कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। ये हाल तब है, जब ये विपक्ष में हैं। हरियाणा के लोगों को इस बात से भी चोट पहुंच रही है कि दिल्ली और हरियाणा में बैठे दो खास परिवारों के इशारे पर पूरा हरियाणा अपमानित हो रहा है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने आरक्षण खत्म करने का बयान देकर अपने इरादे जता दिए हैं। हरियाणा का पिछड़ा और दलित समुदाय जातिगत हिंसा रोकने में विफल रहने पर पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहा है। इसलिए लोगों ने कांग्रेस को फिर कड़ी सजा देने का मन बना लिया है। हरियाणा के गली-गली से एक ही आवाज आ रही है- भरोसा दिल से, भाजपा फिर से। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया, भारत की ओर बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे। कांग्रेस कभी देश को मजबूत नहीं बना सकती। इसलिए मैं हरियाणा के अपने मतदाताओं से ये आग्रह करता हूं कि वे फिर से भाजपा को अपना आशीर्वाद जरूर दें।

हरियाणा में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी ने नूंह में कहा

हरियाणा में बेरोजगारी के जिम्मेदार मोदी

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी ने नूंह में कहा कि भाजपा ने देश में नफरत फैला रखी है। भाजपा और आरएसएस मिलकर देश में संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी विकास की बात करेंगे, मगर वह अपने भाषण में ये नहीं समझा सकते हैं कि हरियाणा बेरोजगारी लिस्ट में पहले नंबर पर कैसे पहुंचा? यह नरेंद्र मोदी की देन हैं, वह अरबपतियों की सरकार चलाते हैं। बीस पच्चीस लोगों का उन्होंने सोलह लाख करोड़ का कर्जा माफ किया। किसानों का उन्होंने कितना कर्जा माफ किया, गरीबों का कितना कर्जा माफ किया? किसानों के लिए तीन काले कानून लाए।

राहुल ने अंबानी और अडानी का नाम लिए बिना कहा कि मोदी सरकार ने अपने दोस्तों समेत देश के 20-25 लोगों का अरबों का कर्जा माफ कर दिया, लेकिन किसानों का कितना कर्जा माफ किया? कुछ नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। राहुल ने कहा कि भाजपा को वोट मत देना। राज्य की दूसरी छोटी पार्टियों को भी वोट मत देना, क्योंकि वे भाजपा की ही, क्र और ष्ट पार्टियां हैं। उनमें और भाजपा में कोई अंतर नहीं है।

मोदी जी नहीं करते 56 इंच छाती की बात

राहुल बोले कि पहले नरेंद्र मोदी 56 इंच की छाती की बात करते थे, लेकिन अब आपने देखा होगा कि उनका चेहरा बदल गया है। अब वह उस बात को नहीं बोलते। मैंने भी इनकी (भाजपा और अन्य छोटी पार्टियां) गालियां खाई हैं, विरोध झेला है। आपसे ही मुझे शक्ति मिलती है। जो आप मोहब्बत देते हैं, हम उसी से ही मोहब्बत बांट पा रहे हैं।

नफरत को नहीं जीतने देना है

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सबसे जरूरी बात कांग्रेस के लिए भाईचारा है। ये भाजपा के लोग, आरएसएस के लोग जहां भी जाते हैं, वहां नफरत फैलाते हैं। नफरत को मिटाना है भाइयों। हिंदुस्तान नफरत का देश नहीं है। मोहब्बत का देश है। इस देश में हम नफरत को नहीं जीतने देंगे। भाईचारा जीतेगा। नफरत से देश कमजोर होता है। दुख फैलता है, डर फैलता है। मोहब्बत की नफरत की काट है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करने में मौजूदा पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण: मुर्मू

मुम्बई (एजेंसी)। जयपुर, 03 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पाने में वर्तमान पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्वार्थ का रास्ता अपनाते हैं, लेकिन सभी के हितों को प्राथमिकता देने से छात्रों की प्रतिभा निखरेगी।

राष्ट्रपति उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा सशक्तीकरण का सबसे अच्छा माध्यम है।उन्होंने कहा, ''हमने वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। आपकी पीढ़ी के योगदान के बल पर ही यह राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्त करना संभव होगा। मैं आशा करती हूं कि आप राष्ट्र निर्माण में यथाशक्ति का सर्वाधिक योगदान देंगे।'' उन्होंने कहा, ''मुझे आशा है कि आप अपने आचरण और कार्यों से अपने परिवार, समाज तथा देश का गौरव बढ़ाएंगे। इसी से आपकी शिक्षा की सार्थकता सिद्ध होती है।''

बाबा साहेब आंबेडकर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''बाबा साहेब का मानना था कि चरित्र, शिक्षा से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह मानते थे कि ऐसा शिक्षित व्यक्ति जिसमें चरित्र और विनम्रता न हो वह हिंसक जीव से भी ज्यादा खतरनाक होता है। उसकी शिक्षा से यदि गरीबों को हानि हो वह व्यक्ति समाज के लिए अभिशाप हो सकता है।''उन्होंने कहा, ''मेरा आप सभी से ये कहना है कि आप जहां भी हों, कोई ऐसा कार्य न करें जिससे आपके चरित्र पर लांछन आये।''

मुर्मू ने कहा कि आज के बदलते परिवेश में जब विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं ऐसे में विद्यार्थियों की ''विद्यार्थी की भावना'' को सदैव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, ''आपको व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों का समन्वय बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। संवेदना एक प्राकृतिक गुण है।'' उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्वार्थ का मार्ग पकड़ लेते हैं लेकिन सबके हित को प्राथमिकता देने की विचारधारा आपकी प्रतिभा और अधिक निखारेगी।

सामाजिक सुरक्षा के मजबूत बंकर में हैं अग्निवीर: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अग्निवीर योजना को लेकर कांग्रेस लगातार सवाल उठाती रही है। लोकसभा चुनाव की तरह हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाने का प्रयास किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी तो कई बार अग्निवीरों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखे हमले कर चुके हैं। इससे तिलमिलाई भाजपा ने भी कई बार पलटवार किए हैं और कांग्रेस पर झूठ बोलने का आरोप भी लगाया है। इस बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि अग्निवीर भी भरपूर वेतन, पेंशन और बीमा राशि की सुविधा के साथ सामाजिक सुरक्षा के मजबूत बंकर में हैं। यही नहीं अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में आरक्षण की सुविधा भी भाजपा शासित राज्यों में दी जा रही है। हरियाणा जैसे राज्य में जहां युवा सेना की सेवा के प्रति विशेष रुचि रखते हैं, वहां कांग्रेस अग्निपथ योजना के मुद्दे को लगातार उठा रही है।

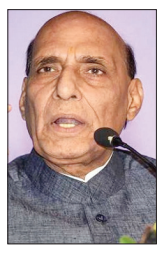

एक इंटरव्यू में रक्षामंत्री ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि सेना में सेवा के दौरान यदि अग्निवीर की मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार को कुछ नहीं मिलता। सच यह है कि यदि किसी अग्निवीर की सेवा अवधि में दुर्भाग्य से मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार को 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि दिए जाने का प्रविधान इस योजना में है। इसमें 48 लाख रुपये का बीमा है, जिसका प्रीमियम अग्निवीरों से नहीं लिया जाता है। 44 लाख रुपये का एक्सग्रेसिया भुगतान किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि मृत्यु के बाद बचे हुए सेवाकाल का वेतन भी दिया जाता है। इसके साथ ही सरकार ने अलग-अलग बैंकों के साथ एमओयू किए हैं, जिसके तहत 50 लाख से एक करोड़ रुपये तक का बीमा मुआवजा दिया जाता है। बीमा के लिए भी अग्निवीरों को कोई प्रीमियम नहीं देना होता है। भारत सरकार अपने फंड से बीमा राशि का भुगतान करती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अग्निवीरों की चार वर्ष की सेवा के लिए यह सुविधाएं दी जा रही हैं, साथ ही उसके बाद के जीवन के लिए भी रोजगार के अवसर सरकार दे रही है। जितने भी अग्निवीरों को सेना में शामिल किया जा रहा है, उनमें से 25 प्रतिशत अग्निवीर मेरिट के आधार पर सेना में नियमित होकर सेवा जारी रखेंगे। बाकी बचे अग्निवीरों के लिए हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, असम, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात और गोवा जैसी राज्य सरकारों ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया है।

ईरान-इजरायल जंग के बीच जयशंकर ने विशेषज्ञों से किया विचार-विमर्श

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस हमले पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इजरायल को आत्मरक्षा का अधिकार है, लेकिन संघर्ष को और भड़कने से रोकना भी जरूरी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि सभी संबंधित पक्षों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से मुद्दों को सुलझाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर भारत गहरी चिंता जता रहा है और उसने सभी पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। भारत ने यह भी कहा कि संघर्ष के क्षेत्रीय आयामों को फैलने से रोकने की जरूरत है, और बातचीत के जरिए समाधान तलाशा जाना चाहिए। ईरान ने इजरायल पर एक साथ 150 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जो हाल के इतिहास में सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के अनुसार, इस हमले में पहली बार हाइपरसोनिक फत्ताह मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। बताया गया कि 90त्न मिसाइलें इजरायल के लक्ष्यों को भेदने में सफल रहीं। हालांकि, इजरायल और अमेरिका के नेतृत्व वाले रक्षात्मक गठबंधन ने इनमें से अधिकांश मिसाइलों को नष्ट कर दिया।

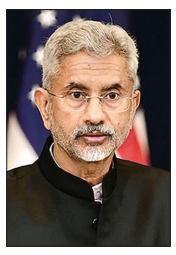

ईशा फाउंडेशन के खिलाफ जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक... केस ट्रांसफर करे

–आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव से जुड़ा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव, जिन्हें सद्गुरु के नाम से जाना जाता है, उनके ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट द्वारा जारी जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। यह आदेश तब आया है जब फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी। मद्रास हाई कोर्ट ने स्टालिन सरकार को ईशा फाउंडेशन के खिलाफ दर्ज सभी आपराधिक मामलों का विवरण प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। अदालत ने निर्णय तब लिया जब एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की, इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी दो बेटियों को फाउंडेशन के अधिकारियों ने ब्रेनवॉश कर उन्हें कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में रहने के लिए मजबूर किया है। कमराज ने

अदालत में कहा कि उनकी बेटियों को परिवार से संपर्क करने की अनुमति नहीं दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल थे। बेंच ने सुनवाई के दौरान उन महिलाओं से बातचीत की, जिन्होंने बताया कि वे अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं और उन्हें किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले को मद्रास हाई कोर्ट से अपने पास ट्रांसफर किया जाएगा और पुलिस को मामले में आगे की कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया।

मुस्लिम, वक्फ, गाय... अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत की छवि की खराब, भड़क उठा हिंदुस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी संघीय सरकारी आयोग की रिपोर्ट में भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति खराब होने का आरोप लगाया गया और धार्मिक स्तर पर हो रहे उल्लंघनों को ध्यान में रखते हुए उसे विशेष चिंता वाले देश के रूप में शामिल करें। रिपोर्ट पर मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि रिपोर्ट भारत के बारे में तथ्यों को गलत तरीके से पेश करती है और एक प्रोपगैंडा को बढ़ावा देती है। अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राज्य आयोग (यूएससीआईआरएफ) पर हमारे विचार सर्वविदित हैं। यह राजनीतिक एजेंडे वाला एक पक्षपाती संगठन है। यह तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना और भारत के बारे में एक प्रेरित कहानी को बढ़ावा देना जारी रखता है। हम इस दुर्भावनापूर्ण रिपोर्ट को अस्वीकार करते हैं।

7 पेज वाले इस दस्तावेज को वरिष्ठ नीति विश्लेषक सेमा हसन ने लिखा है। धर्म संबंधित रिपोर्ट में कहा कि भारत ने अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले SCIRF के लोगों को देश का वीजा देने से इंकार किया है।इसके अलावा वहां धार्मिक नेताओं को मनमाने तरीके से गिरफ्तार कर लिया जाता है। के आधार पर घरों और धार्मिक पूजा स्थलों को निशाना बनाया जाता है। रिपोर्ट में मुस्लिम, वक्फ संशोधन बिल, गोहत्या विरोधी कानून का जिक्र किया गया है।

भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राज्य आयोग (यूएससीआईआरएफ) पर हमारे विचार सर्वविदित हैं। यह राजनीतिक एजेंडे वाला एक पक्षपाती संगठन है। यह तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना और भारत के बारे में एक प्रेरित कहानी को बढ़ावा देना जारी रखता है। रणधीर जयसवाल ने कहा कि सरकार दुर्भावनापूर्ण रिपोर्ट को खारिज करती है। उन्होंने कहा, ÷यह रिपोर्ट केवल यूएससीआईआरएफ को और अधिक बदनाम करने का काम करती है।

बाढ़ प्रभावितों से मिले पप्पू यादव बोले- बेकार पड़े हेलिकॉप्टर को भेजा

सहरसा। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सहरसा के नौहट्टा प्रखंड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों से मिलने के लिए पहुंचे। बाढ़ प्रभावित इलाके में बाइक से लोगों से मिले और एक-एक हजार रुपए के साथ सूखा राशन दिया। वहीं वायु सेना के हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने मामले को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जानबूझ कर सेना को खराब हेलिकॉप्टर मुहैया कराया गया। इससे हादसा हुआ। नीतिश और मोदी सरकार की ओर से भेजी जा रही राहत सामग्री को लेकर कहा कि पांच दिन बाद सेना को भेजा वहां भी बेकार पड़े हेलिकॉप्टर के साथ। इसके कारण सेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा दुखद है।

बिहार में आज फिर बारिश की संभावना...12 जिलों में अलर्ट

पटना । बिहार में मौसम विभाग ने 4 अक्टूबर को पूर्वी बिहार में 12 जिलों बारिश होने की संभावना जाहिर की है। वहीं कोसी नदी के जलस्तर में बीते दिनों हुई भारी वृद्धि और पश्चिमी कोसी बांध टूटने के बाद कोसी क्षेत्र की लाइफ लाइन सहरसा-मानसी रेलखंड पर पानी का दबाव बढ़ सकता है। रेलवे की ओर से 15 अक्टूबर तक पहले से अलर्ट जारी रखा गया है। अधिकारियों की अलग-अलग टीमरेल ट्रैक का लगातार निरीक्षण कर रही है। इधर, बुधवार को बिहार के उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में नदियों के जलस्तर में कमी आई। हालांकि, बाढ़ प्रभावित इलाकों में अब भी बड़ी संख्या में लोग बच्चों व मवेशियों के साथ तटबंधों और सड़कों के किनारे शरण लिए हुए हैं। उन्हें भोजन, पानी, दूध व दवाइयों की कमी से जूझना पड़ रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। पटना मौसम विभाग के मुताबिक नवरात्रि में अधिकतर हिस्सों में सामान्य अथवा सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। जिसकी संभावना 30 से 40 प्रतिशत है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 8 से 10 अक्टूबर तक मानसून की विदाई हो जाती है। लेकिन, इस साल 15 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान बिहार के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की की संभावना है।

आज केजरीवाल सरकारी आवास छोड़कर आप सांसद के घर में करेंगे प्रवेश

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को अपना सरकारी आवास खाली कर देंगे। इसके बाद केजरीवाल आप सांसद अशोक मित्तल के घर में रहेंगे। आप सांसद का घर नई दिल्ली विधानसभा में ही आता है। केजरीवाल अब यहीं से अपनी सीट और दिल्ली चुनाव का प्रचार नए ठिकाने से देखेंगे। सीएम की कुर्सी छोड़ने के बाद केजरीवाल के नए आवास को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। अरविंद केजरीवाल शुक्रवार 4 अक्टूबर को अपना सरकारी आवास पूरी तरह खाली कर देंगे। इसके बाद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के सांसद अशोक मित्तल के घर पर रहेंगे। आम आदमी पार्टी के कई नेताओं, पार्षदों, विधायकों और सांसदों ने केजरीवाल को अपना घर देने की पेशकश की थी। केजरीवाल का बतौर सीएम सिविल लाइंस में फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित सरकारी आवास ही उनका पर्मानेंट ठिकाना था। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अब उन्हें यह घर खाली करना था। एक दिन पहले ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह मंडी हाउस के पास फिरोज शाह रोड पर आम आदमी पार्टी के दो सांसदों को आवंटित सरकारी बंगले में से किसी एक के घर रहने के लिए जा सकते हैं।

हॉस्पिटल में डॉक्टर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के कालिंदी कुंज स्थित जैतपुर इलाके के नीमा हॉस्पिटल में दो नाबालिगों ने एक 55 साल के डॉक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान यूनानी डॉक्टर जावेद अख्तर के रूप में हुई है। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए। उनकी तलाश की जा रही है। हॉस्पिटल कर्मचारियों के अनुसार, दोनों आरोपियों की उम्र 16 से 17 साल के बीच थी। उनमें से एक आरोपी का 1 अक्टूबर को पैर के अंगूठे में चोट का इलाज हुआ था। वह बुधवार देर रात एक लडक़े के साथ हॉस्पिटल पहुंचा था।

नौकरी दिलाने के नाम पर कोचिंग संचालक ने कई युवाओं से की धोखाधड़ी

गाजीपुर। फर्जी परिचय पत्र देने और नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब 15 लाख रुपये ठगने वाले गिरोह को पुलिस तलाश रही है। ठगी का आरोप कोचिंग संचालक और उसके सहयोगियों पर लगा है। गाजीपुर पुलिस ने संचालक सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। कुछ दिन पूर्व नगदिलपुर के रहने वाले विदेशी चौधारी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपने साथ हुए फ्रॉड की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि फर्जी तरीके से बिहार में नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी की। करीब 15 लाख रुपये और 10 लाख रुपये की जमीन आरोपियों ने ले ली। मांगने पर वापस करने से इंकार कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामला नकदीलपुर गांव में चलने वाला बकसु बाबा कोचिंग सेंटर का है। जहां आस-पास के गांव के साथ ही यूपी और बिहार के कई जिलों के युवक आर्मी भर्ती, पुलिस भर्ती और अन्य भर्ती के लिए कोचिंग करने आते हैं। इसका फायदा उठाकर कोचिंग संचालक विनोद कुमार गुप्ता ने इन लोगों को नौकरी दिलाने का लालच दिया। आरोप है कि कोचिंग संचालक ने इसके बदले 10 से 15 लाख रुपये लिए। आरोपी ने बिहार सरकार के सचिवालय में एलडीसी की भर्ती का फर्जी नियुक्ति पत्र और आई कार्ड भी सभी अभ्यर्थियों को दे दिया। जब अभ्यर्थी बिहार सचिवालय पहुंचे, तब उन लोगों को पता चला कि इस तरह के पद का वहां पर विज्ञापन नहीं आया है। इसके बाद यह सभी लोग वापस आए, अपने पैसे के लिए दबाव बनाने लगे। गुप्ता ने कई लोगों को 8 से 9 लाख रुपये का चेक किसी नीतू नाम की महिला के बैंक खाते का दिया।

हरियाणा में थमा चुनाव प्रचार...राज्य की 90 सीटों पर कल होगा मतदान

-भाजपा-कांग्रेस में मुकाबला, इनेलो-बसपा और निर्दलीय दर्जनभर सीटों पर टक्कर में

-जाट-दलित-बागी तय करेंगे सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में गुरूवार को चुनाव प्रचार थम गया। यहां की 90 सीटों पर 5 अक्टूबर को एक साथ वोट डाले जाएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने दिल्ली से सटे इस राज्य में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों दलों में है। बीते 10-12 दिन में भाजपा यहां रिकवरी मोड में नजर आई और उसने कई चीजों को ठीक किया। दूसरी ओर कांग्रेस ने अपने पक्ष में दिख रहे माहौल को बनाए रखने के लिए दिन-रात एक कर रखा है। प्रदेश में तकरीबन डेढ़ दर्जन सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा-कांग्रेस के बीच मुकाबला बेहद कड़ा है। यहां आखिरी समय में पलड़ा किसी भी तरफ झुक सकता है। इन सीटों पर जीत-हार का मार्जिन भी कम रहने का अनुमान है। कई सीटों का रिजल्ट इस बात पर भी डिपेंड करेगा कि वहां थर्ड प्लेयर के रूप में इनेलो-बसपा, आपऔर जेजेपी-एएसपी के अलावा निर्दलीय कितने वोट ले पाते हैं।

हरियाणा की 90 सीटों में से कांग्रेस 40 से 50 और भाजपा 22 से 32 सीटों पर मजबूत दिख रही है। भाजपा की सीटों का आंकड़ा बहुत हद तक इस बात पर भी डिपेंड रहेगा कि साइलेंट वोटर आखिरी समय में किस तरफ जाता है और जाट-दलित वोट बंटते हैं या नहीं। साध्वी यौन शोषण केस में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम पोलिंग से ठीक पहले पैरोल पर बाहर आ चुका है। कांग्रेस इसके खिलाफ चुनाव आयोग गई, लेकिन उसकी आपत्तियां दरकिनार कर दी गईं। राज्य की दो दर्जन से ज्यादा सीटों पर डेरे का प्रभाव है और वह आधा दर्जन से ज्यादा सीटों पर रिजल्ट प्रभावित कर सकता है। इसका फायदा भाजपा को मिलने का अनुमान है। अन्य दलों की बात करें तो इनेलो-बसपा गठबंधन 1 से 5 और निर्दलीय 4 से 9 सीटों पर आगे रह सकते हैं। दर्जनभर सीटों पर वह मुख्य टक्कर में हैं। आम आदमी पार्टी का वोट शेयर तो इस बार बढने् की उम्मीद है, लेकिन वह एकाध सीट पर ही मुख्य मुकाबले में है। दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी और सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी कहीं फाइट में नजर नहीं आती।

बागी-भितरघात से निपटना चुनौती

विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के लिए बागी और भितरघात से निपटना बड़ी चुनौती है।भाजपा ने सत्ता विरोधी लहर के बीच अपने प्रबंधन और ताबड़तोड़ प्रचार के दम पर बगावत और भितरघात से निपटने की कोशिश में लगी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने 28 सितंबर को हिसार में रैली की थी। 21 सीट वाली जाट बाहुल्य बागड़ बेल्ट में हुई इस रैली और मोदी-शाह के आक्रामक रवैये से बदलाव दिखना शुरू हुआ। उम्मीदवारों के साथ-साथ वर्करों का मनोबल भी बढ़ा। कांग्रेस सीटों के लिहाज से वह सबसे बड़ी पार्टी तो बनती दिख रही है। मेवात की 3 सीटों पर वह सेफ दिख रही है। बांगर (9 सीट) और जाटलैंड कहलाने वाली देशवाल (14 सीट) बेल्ट में भी पार्टी को एडवांटेज तो नजर आता है, लेकिन उसके कई कैंडिडेट नजदीकी मुकाबले में फंसे हैं। कांग्रेस को सबसे बड़ी उम्मीद जीटी रोड (23 सीट), अहीरवाल (11 सीट) और साउथ हरियाणा (9 सीट) से है। यह तीनों इलाके भाजपा का गढ़ कहे जा सकते हैं।

भाजपा के लिए चुनौती

चुनौतियों की बात करें तो भगवा पार्टी के लिए भितरघात और बागी मुश्किल पेश कर सकते हैं। भाजपा हाईकमान ने अहीरवाल बेल्ट में केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत को फ्री हैंड दिया और सबसे ज्यादा चुनौतियां इसी इलाके में नजर आती हैं। 2014 में पार्टी ने यहां की सभी 11 और 2019 में 11 में से 8 सीटें जीती थी। यहां भाजपा के कई बड़े चेहरे या तो चुप बैठे हैं या फिर पार्टी उम्मीदवार की जगह विरोधी की मदद में लगे हैं। इसी भीतरघात के चलते अहीरवाल बेल्ट में भाजपा के कई दिग्गज चेहरे भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर नहीं आ रहे। भाजपा के लिए बागी भी मुसीबत बने हुए हैं। पार्टी नेतृत्व के तमाम प्रयासों, मिन्नतों और घुड़कियों के बावजूद 15 सीटों पर उसके तकरीबन डेढ़ दर्जन बागी मैदान से नहीं हटे। यही कारण है कि अमित शाह से लेकर राव इंद्रजीत तक को सभाओं में ये बात कहनी पड़ रही है कि लोग भाजपा के कैंडिडेट को देखकर नहीं, बल्कि कमल का निशान देखकर वोट दें।

कांग्रेस के लिए चुनौतियां

कुछ हफ्ते पहले तक सब कुछ कांग्रेस के फेवर में नजर आ रहा था, लेकिन बीते 10-12 दिन उसके लिए अच्छे नहीं कहे जा सकते। पार्टी उम्मीदवारों से लेकर रणनीति बनाने वाले भी ऑफ द रिकॉर्ड बातचीत में इससे इनकार नहीं कर रहे। सत्ता कभी कोई तश्तरी में सजाकर नहीं देता, ये बात कांग्रेस के जो कैंडिडेट भूल गए थे, वह अब दिक्कत में नजर आ रहे हैं। आखिरी समय तक मैदान नहीं छोडने् और कमजोर पोजिशन को भांपकर एक्स्ट्रा ताकत झोंक देने वाली भाजपा के सामने ओवरकॉन्फिडेंस का शिकार हो जाना कहीं न कहीं भारी पड़ता दिख रहा है। रोहतक शहर की सीट हुड्डा कैंप के लिए नाक का सवाल बन गई है। सोनीपत, गन्नौर, राई, बादली और बहादुरगढ़ का गढ़ बचाने के लिए उसे अतिरिक्त ताकत लगाते हुए राहुल गांधी का रोड शो कराना पड़ गया। कांग्रेस को अपने नेताओं की गुटबाजी से भी नुकसान हो रहा है। एक दर्जन के आसपास सीटों पर कैंडिडेट्स हुड्डा कैंप और सैलजा धड़े की अंदरूनी खींचतान के शिकार हैं।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार धर्मेंद्र जी को मिलना चाहिए : हेमा मालिनी

-मिथुन चक्रवर्ती को बताया अच्छा एक्टर

कोटा। दशहरा मेला उद्घाटन में दुर्गा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देने कोटा पहुंचीं बॉलिवुड अभिनेत्री और मथुरा सांसद हेमा मालिनी ने दादासाहेब फाल्के पुरस्कार को लेकर एक बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा है कि यह अवार्ड धर्मेंद्र जी को दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस साल का दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड डिस्को डांसर मिथुन चक्रवर्ती को दिए जाने की घोषणा की जा चुकी है। ऐसे में हेमा का यह बयान खासा मायने रखता है। अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस और वर्तमान सांसद हेमा मालिनी गुरुवार को कोटा पहुंचीं हैं। यहां वो दशहरा मेला उद्घाटन में दुर्गा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगी। इससे पहले उन्होंने उम्मेद भवन पैलेस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दादासाहेब फाल्के को पुरस्कार हर साल एक कलाकार को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कलाकारों को पुरस्कार मिलना ही चाहिए। जब उनसे मिथुन चक्रवर्ती को अवार्ड दिए जाने का सवाल किया गया तो उन्होंने बड़ा बयान देने हुए कहा, कि मुझे लगता है कि धरम जी को यह पुरस्कार मिलना चाहिए था। वैसे धरमी जी को तो 10-15 साल पहले ही यह पुरस्कार मिल जाना चाहिए था। इसके साथ ही उन्होंने मिथुन दा की तारीफ करते हुए कहा कि इस वर्ष मिथुन को अवार्ड मिला है, वो बहुत अच्छा एक्टर और व्यक्ति हैं। इसी दौरान हेमा मालिनी ने कोटा पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, कि यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लगा है। प्लेन से रिवर फ्रंट देखकर बहुत अच्छा लगा वह बहुत सुंदर दिखा। उन्होंने कोटा की डोरिया साड़ी का भी जिक्र किया और कहा कि जब साड़ियों का नाम आता है तो कोटा डोरिया साड़ी का जिक्र भी आता है। कोटा साड़ियों के लिए फेमस है। हेमा मालिनी ने नृत्य नाटिका के संबंध में भी बात की और बताया कि कोटा में नृत्य नाटिका प्रस्तुति का अवसर मिला है। इसके बाद हेमा मथुरा में भी दुर्गा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देने जाएंगी।

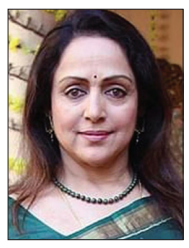

जिनको घंटे और शंख से परेशानी होती है, वो अपने कान बंद कर लें

- जब-जब अत्याचार बढ़ेगा, हरि आएंगे

- कांग्रेस देश को नशे की ओर धकेलना चाहती है

कैथल (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कैथल और जींद में आयोजित जनसभाओं में योगी ने सनातन संस्कृति और कांवड़ यात्रा को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को घंटे और शंख की आवाज से परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और घर में रहें। योगी ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा में डीजे, घंटा और घड़ियाल बजते रहेंगे, और अगर कोई इसमें बाधा डालने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कैथल में जनसभा के दौरान सीएम योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, जब-जब अत्याचार बढ़ेगा, हरि आएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म से नफरत करने और समाज को बांटने का आरोप लगाया। योगी ने कहा कि कांग्रेस देश को नशे की ओर धकेलना चाहती है और इसके नेता नशे के कारोबार में लगे हुए हैं। उन्होंने नशे के कारोबारियों की तुलना पौराणिक दानव चंड-मुंड और महिषासुर से की।

जींद में योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 से पहले कांवड़ यात्रा को बाधित किया जाता था, लेकिन उनकी सरकार ने इसे पूरी स्वतंत्रता से चलने दिया। उन्होंने कहा, कांवड़ यात्रा में डीजे भी बजेगा, घंटा और घड़ियाल भी बजेगा। जिन लोगों को इससे परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और अपने घरों में रहें।

योगी आदित्यनाथ ने डबल इंजन की सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने विरासत के सम्मान के साथ-साथ विकास का कार्य भी किया है। उन्होंने बताया कि हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसें और शैक्षणिक संस्थान जनता को दिए गए हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस सिर्फ खटाखट वाली सरकार थी, जिसने देश को सफाचट कर दिया।

बिहार को अब जाति नहीं... काबिलियत पर ध्यान देना चाहिए

-पीके ने पार्टी लांच करते ही लालू और नीतिश पर बोला हमला

पटना (एजेंसी)। चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) ने बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरणों और नेताओं की भूमिका पर अपनी राय रखी। उन्होंने नीतीश कुमार और लालू यादव की पार्टियों को जातीय राजनीति के मुद्दे पर आड़े हाथों लेकर कहा कि इन दोनों नेताओं को जबरन अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) का नेता बना दिया गया, जबकि उनकी जातियां ईबीसी में नहीं आतीं। पीके का कहना था कि बिहार की राजनीति में जातियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन यह राजनीति की एकमात्र सच्चाई नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे कर्नाटक और गुजरात में भी जातियों का महत्व है, लेकिन वहां की राजनीति केवल जाति तक सीमित नहीं है। पीके ने दावा किया कि 2014 के बाद से बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर बड़ी संख्या में लोग वोट दे रहे हैं, जबकि पीएम मोदी की जाति बिहार में नहीं पाई जाती।

आरजेडी के जातिगत समीकरण पर पीके ने कहा कि यादवों के साथ मुसलमानों का आरजेडी को समर्थन मिलता है, जबकि मुसलमान लालू की जाति से नहीं हैं। इससे साफ होता है कि जाति के अलावा भी राजनीतिक समर्थन का आधार हो सकता है।

प्रशांत किशोर ने जाति आधारित राजनीति की आलोचना कर कहा कि अब बिहार को जाति से आगे बढ़कर काबिलियत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अपनी पार्टी जन सुराज के अध्यक्ष मनोज भारती का उदाहरण देकर कहा कि उन्हें उनकी काबिलियत के आधार पर चुना, न कि उनकी जाति के आधार पर। पीके का कहना था कि काबिलियत ही समाज को आगे बढ़ाने का सही मार्ग है, और हर जाति के काबिल लोगों को राजनीति में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

सीनियर फाइटर पायलट पर यौन शोषण का आरोप... आईएएफ ने जांच शुरु की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक सीनियर फाइटर पायलट पर एक पूर्व सिविलियन इंटर्न द्वारा दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया गया है, इसके बाद वायुसेना ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी की है। यह मामला 2023 का है, जब 25 वर्षीय महिला इंटर्न ने 40 साल के विंग कमांडर पर यौन शोषण और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया। आरोपी विंग कमांडर वर्तमान में अंबाला एयरबेस पर तैनात हैं और जगुआर फाइटर स्क्वाड्रन में कार्यरत हैं। महिला इंटर्न का आरोप है कि अधिकारी ने स्ट्रेस असेसमेंट टेस्ट के बहाने एक होटल में ले जाकर यौन शोषण किया। इसके साथ ही, अधिकारी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप है, जो भारतीय वायुसेना के एक प्रमुख लड़ाकू ठिकाने पर हुआ। मामले की जांच के लिए भारतीय वायुसेना ने दो अलग-अलग आंतरिक जांचें शुरू कीं। पहली जांच का नेतृत्व वायुसेना स्टेशन अंबाला के एयर ऑफिसर कमांडिंग (एओसी) द्वारा किया गया, जिसमें सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन की जांच की गई। दूसरी जांच दिल्ली में पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख ने की, जो बलात्कार के आरोपों पर केंद्रित थी। महिला के आरोपों पर दिल्ली पुलिस ने भी वायुसेना अधिकारी के खिलाफ बलात्कार और आपराधिक धमकी के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की गंभीरता को देखकर भारतीय वायुसेना जल्द ही निर्णायक अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब कुछ सप्ताह पहले श्रीनगर वायुसेना बेस पर एक महिला वायुसेना अधिकारी ने भी एक सीनियर विंग कमांडर पर बलात्कार और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इस तरह के मामले भारतीय सशस्त्र बलों में यौन उत्पीड़न के आरोपों से निपटने के लिए आंतरिक प्रक्रियाओं और अनुशासनात्मक उपायों पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग ने बनाया कंगाल, कोई 95 लाख तो किसी ने गंवाए 15 लाख

-वीडियो शेयर कर लोग बता रहे अपनी बर्बादी की कहानी

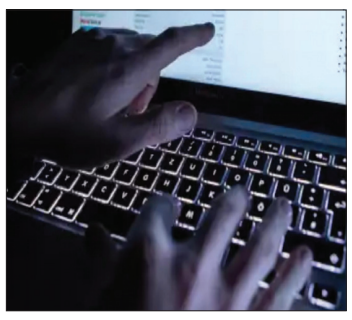

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन गेमिंग ने लोगों के जीवन में गंभीर संकट पैदा कर दिया है। सोशल मीडिया पर हिमांशु मिश्रा नामक शख्स का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दावा कर रहा है कि उसने एक कार्यक्रम में ऑनलाइन गेमिंग में 96 लाख रुपए गंवा दिए हैं। हिमांशु के मुताबिक इस नुकसान के बाद उसके परिवार ने उससे नाता तोड़ लिया है। यह मामला उस समय सामने आया जब हिमांशु अपनी कहानी को कई कार्यक्रमों में साझा कर रहा था, जिससे यह साबित होता है कि वह अपनी पीड़ा लोगों को बताने की कोशिश कर रहा है।

इसी बीच यूपी की उन्नाव पुलिस के सिपाही सूर्यप्रकाश का भी एक वीडियो चर्चा में है, जिसमें उसने ऑनलाइन गेमिंग में 15 लाख रुपए गंवाने का दावा किया। उसने भावुक अपील की है, जिसमें उसने कहा है कि अगर एसपी सर सभी पुलिसवालों से 500-500 रुपए दिलवा दें तो उसे आत्महत्या करने की जरुरत नहीं होगी। ये दोनों वीडियो इस बात का संकेत देते हैं कि ऑनलाइन गेमिंग का नकारात्मक प्रभाव लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और वित्तीय स्थिति पर पड़ रहा है। भारत में ऑनलाइन गेमिंग, विशेषकर फैंटेसी स्पोर्ट्स, पिछले कुछ सालों में तेजी से लोकप्रिय हुआ है। इसकी शुरुआत 20 साल पहले हुई थी, लेकिन जून 2016 के बाद इसमें बूम आया। फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स के मुताबिक जून 2016 तक फैंटेसी स्पोर्ट्स खेलने वालों की संख्या 20 लाख थी, जो 2022 तक 18 करोड़ हो गई। अब यह आंकड़ा 2027 तक 50 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। इस विकास के साथ, खिलाड़ियों को जागरूक करना और सुरक्षा उपायों को लागू करना बेहद जरूरी है। ऑनलाइन गेमिंग के दो मुख्य मॉडल हैं। फ्री टू प्ले और पे टू प्ले। यूजर्स को अपने पैसे का सही उपयोग करने की सलाह दी जाती है, ताकि वे अनजाने में अपने सभी पैसे न गंवा दें। इस तरह के मामलों में सुधार के लिए सरकार और संबंधित एजेंसियों को नियमों को सख्त करने और खेलों के जरिए नुकसान से लोगों को सुरक्षित रखने के उपाय करने की जरुरत है।

चीन से आने वाले सामान पर पैनी नजर रखेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने चीन से आने वाले सामानों पर पैनी नजर रखने की तैयारी कर ली है। हाल ही में इजरायल द्वारा हिज्बुल्लाह के खिलाफ की गई कार्रवाई से मिली सीख के बाद, मोदी सरकार ने स्मार्ट मीटर, पार्किंग सेंसर, ड्रोन के पुर्जे, और लैपटॉप-डेस्कटॉप जैसे सामानों की जांच कराने का निर्णय लिया है। मोदी सरकार के इस कदम का उद्देश्य उन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का हिस्सा हैं। ऐसी आशंका है कि उत्तर सीमा पार की कंपनियों और एजेंसियों को इन उपकरणों के माध्यम से संवेदनशील डेटा मिल सकता है। इसलिए, निगरानी कैमरों की सुरक्षा में खामियों का पता चलने के बाद मोदी सरकार ने कैमरों की जांच को अनिवार्य किया है। इसके लिए आवश्यक सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए निर्धारित लैब से जांच कराई जाएगी।

इसके अतिरिक्त, सिस्टम ऑन ए चिप (एसओसी), जो कि एक इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) होता है, भी जांच के दायरे में रखा गया है। इतना ही नहीं मोदी सरकार का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों के लिए एक विश्वसनीय सप्लाई चेन स्थापित करना है, ताकि विदेशी कंपनियों को कोई लाभ न मिल सके, खासकर जब हमारे आस-पास शत्रुतापूर्ण माहौल हो। इसके पहले मोदी सरकार ने टैरिफ बढ़ाकर चीन से आयात को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन अब तकनीकी मानकों पर ध्यान देने की योजना बनाई है। चीनी कंपनियों द्वारा सस्ते उपकरण बनाने के कारण, ऊंचे टैरिफ की दीवारें भी बाजार में उनकी मौजूदगी को सीमित नहीं कर पा रही हैं।

उद्योग का विरोध और सरकार की नीति

पिछले साल पीसी और लैपटॉप उद्योग ने आयात पर सरकारी नियंत्रण का विरोध हुआ था, यह आरोप लगाते हुए कि इससे आपूर्ति में कमी और कीमतों में वृद्धि होगी, जिससे उपभोक्ताओं पर नकारात्मक असर पड़ेगा। हालांकि, केंद्र सरकार का मानना है कि धीरे-धीरे बदलाव लाना अधिक लाभदायक होगा।

इस तरह, भारत सरकार ने चीन से आयातित सामानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

पराली जलाना नहीं रुका.... पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार

-सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों को पराली जलाने वाले किसानों से केवल नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पराली जलाने के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है, जिससे दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसके साथ ही, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना का सामना करना पड़ा।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि आयोग ने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में आवश्यक निर्देशों को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि 29 अगस्त को हुई बैठक में सिर्फ 11 में से 5 सदस्य ही उपस्थित थे इतना ही नहीं बैठक में अदालत के निर्देशों पर चर्चा नहीं की गई।

कोर्ट ने कहा, जब तक लोग यह नहीं समझते कि उन्हें वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम के तहत गंभीर दंड का सामना करना पड़ेगा, तब तक पराली जलाना नहीं रुकेगी। यह आयोग की जिम्मेदारी है कि वहां प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

कोर्ट ने आयोग की स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा कर कहा, आयोग केवल बैठकें आयोजित करने में व्यस्त है और अपने आदेशों को लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि आयोग को अधिनियम के तहत आपराधिक मामले दर्ज करने, जुर्माना लगाने और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि 15 से 30 सितंबर के बीच पंजाब और हरियाणा में 129 अवैध पराली जलाने की घटनाएं हुईं। कोर्ट ने कहा कि केवल जुर्माना वसूलना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि अब आवश्यकता है कि इन्हें कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाए।

पंजाब सरकार ने बताया कि वहां किसानों को वैकल्पिक प्रोत्साहन प्रदान करने के बाद ही दंडात्मक कार्रवाई करेगी। राज्य के एडवोकेट जनरल ने कहा कि राज्य में 1.4 लाख से अधिक पराली हटाने वाली मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन छोटे किसानों को मशीनों के संचालन के लिए ड्राइवर और ईंधन की आवश्यकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में नस्लवाद की वजह से बढ़ रही असमानता : रिपोर्ट

लंदन, एजेंसी। लंदन में संरचनात्मक नस्लवाद एक गंभीर समस्या है। यह जहां जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है वहीं जातीय समूहों के बीच असमानताओं को भी बढ़ावा दे रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यूसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ इक्विटी (आईएचई) की ओर से प्रकाशित रिपोर्ट में पाया गया कि जो लोग अपने दैनिक जीवन में बार-बार नस्लवाद के संपर्क में आते हैं, उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य खराब होता है। रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में लगभग 70 फीसदी बांग्लादेशी और पाकिस्तानी बच्चे, 52 प्रतिशत अश्वेत बच्चे, गरीबी में बड़े हो रहे हैं। वहीं श्वेत परिवारों में 26 फीसदी बच्चे गरीबी में बड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि गरीबी में बड़े होने वाले बच्चों के अच्छे आवास में रहने या पौष्टिक भोजन तक पहुंच की संभावना कम होती है। इसका उनकी शैक्षिक संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि वर्कप्लेस पर नस्लवाद के कारण शिक्षा में प्रगति, अच्छे रोजगार या आय में तब्दील नहीं हो पाती। रोजगार के अवसरों और वेतन के स्तर में जातीय असमानताएं सबसे अधिक स्पष्ट हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 16 से 24 वर्ष की आयु के अश्वेत लोगों में बेरोजगारी की दर उसी आयु के श्वेत लोगों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। लंदन में 40 फीसदी जातीय अल्पसंख्यक वर्कर ने पिछले पांच वर्षों में वर्कप्लेस पर नस्लवाद की रिपोर्ट की थी। देश भर में एक तिहाई एम्प्लायर में समानता, विविधता और समावेश रणनीतियों का अभाव पाया गया। लंदन यूनाइटेड किंगडम की राजधानी है और देश का सबसे बड़ा शहर है, जिसकी जनसंख्या 2022 में 8,866,180 है। इसे दुनिया के प्रमुख ग्लोबल शहरों में से एक माना जाता है। 2021 की जनगणना के मुताबिक 3,575,739 लोग या लंदन की आबादी का 40.6प्रतिशत विदेशी मूल के थे।

गाजा में शरणार्थी शिविर पर इजरायली हवाई हमले में तीन फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा, एजेंसी। मंगलवार को इजरायली हवाई हमले में गाजा पट्टी के मध्य स्थित नुसेरात शरणार्थी शिविर में तीन फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। दक्षिण गाजा के खान यूनिस में इजरायली सेना अचानक आगे बढ़ी है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इजरायली वायु सेना ने नुसेरात शिविर के पश्चिम में एक घर पर मिसाइल दागी। इस हवाई हमले के साथ तोपखाने से भी भारी गोलीबारी हुई, जिसमें विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाला एक स्कूल भी चपेट में आ गया। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इस हमले में तीन फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय सूत्रों ने यह भी बताया कि इजरायली सैनिकों ने गाजा के मध्य में नेत्ज़ारिम चौराहे पर कई फिलीस्तीनियों को घायल कर दिया। ये फिलिस्तीनी दक्षिण से उत्तर की ओर लौटने की कोशिश कर रहे थे, तभी सैनिकों ने उन पर गोली चला दी। इजरायली सेना ने कहा कि उन्होंने गाजा के मध्य में कई संदिग्ध लोगों को देखा जो सैनिकों के लिए खतरा बने हुए थे। इसलिए उन्होंने गोलीबारी की, जिससे कई लोग घायल हो गए, हालांकि इजरायली सैनिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ। खान यूनिस में चश्मदीदों ने बताया कि इजरायली सेना अचानक भारी गोलीबारी के बीच किजान अन-नज्जार इलाके में आगे बढ़ी। इसके कारण सैकड़ों फिलिस्तीनी परिवार वहां फंस गए। तोपों और गोलियों की आवाज के बीच लोग घायल हुए। कई लोग इस अचानक हुई कार्रवाई से अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे।

प्रवासियों को ले जा रही दो नौकाएं लाल सागर में डूबीं, 45 लोगों की मौत व दर्जनों लापता

जिबूती, एजेंसी। अफ्रीका से प्रवासियों को लेकर जा रही दो नौकाएं जिबूती तट के पास लाल सागर में डूब गईं, जिससे 45 लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने बताया कि ये नौकाएं 310 लोगों को लेकर यमन से रवाना हुई थीं। खोज एवं बचाव प्रयासों में सहायता कर रही संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर बताया कि 32 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं, जिबूती के तट रक्षक ने बताया कि हादसा उत्तर-पश्चिमी खोर अंगार क्षेत्र के पास एक समुद्र तट से करीब 150 मीटर की दूरी पर हुआ। उसने बताया कि संयुक्त बचाव अभियान सोमवार सुबह से शुरू हुआ और अब भी जारी है। उसने बताया कि 115 लोगों को बचा लिया गया है। एजेंसी ने सोशल मीडिया पर बयान पोस्ट कर कहा, ''हम लापता लोगों को ढूंढने और जीवित बचे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ईरान ने इजरायल पर किया हमला, 180 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

यरूशलम, एजेंसी। ईरान ने इजराइल पर मंगलवार रात 180 बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि हमला मोसाद हेडक्वार्टर, नेवातिम एयरबेस और तेल नोफ एयरबेस को निशाना बनाकर किया गया था। ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को इजराइल के डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया। आईडीएफ के मुताबिक हमले में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। हमले के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि हमने इजराइल की आक्रामकता का जवाब दिया है। यह ईरान के हितों और नागरिकों की रक्षा के लिए जरूरी था। अगर इजराइल ने पलटवार किया, तो तगड़ा जवाब देंगे। इधर, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान को इस हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आईडीएफ ने कहा है कि हम ईरान को बख्शने वाले नहीं है। दूसरी तरफ, अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बैठक की। बाइडेन ने अमेरिकी सेना से कहा है कि वो ईरानी हमलों से इजराइल की रक्षा करे और इजराइल की तरफ दागी गई मिसाइलों को मार गिराए। ईरानी सेना ने मंगलवार रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी। हमले में मुख्य रूप से सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक बयान का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्टों ने पुष्टि की है कि ईरान से इजरायल की ओर बड़ी संख्या में मिसाइलें दागी गई हैं। आईआरजीसी ने धमकी दी है कि अगर इजरायल जवाब देता है, तो वह दूसरा हमला करेगा। तस्नीम समाचार एजेंसी ने बताया कि आईआरजीसी ने मिसाइल हमले को इजरायली सेना द्वारा हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हनीयेह और आईआरजीसी कमांडर मेजर जनरल सैय्यद अब्बास निलफोरुशन की हत्या का बदला बताया।

ईरान बोला- इजराइल पर 200 मिसाइल हमले किए : ईरान की आईआरजीसी कमांडर-इन-चीफ सरदार सलामी के मुताबिक ईरान ने मंगलवार रात इजराइल पर 200 मिसाइलें दागीं। एक वीडियो में सलामी ईरान के राष्ट्रपति पजशकियान से टेलीफोन पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कॉल पर कहा, इस ऑपरेशन में 200 मिसाइलें दागी गईं। इससे पहले इजराइली सेना ने लगभग 180 मिसाइलें दागे जाने की बात कही थी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर जेक सुलिवन ने लगभग 200 बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की बात कही थी। ईरान ने इजराइल पर एक घंटे तक मिसाइल हमला किया था।

हिजबुल्लाह बोला- इजराइली सैनिकों को पीछे धकेला : टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक हिजबुल्लाह ने लेबनान के ओदैसेह शहर में घुसपैठ कर रहे इजराइली सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उनके लड़ाकों ने रॉकेट और तोपखाने से इजराइली सेना का सामना किया। इससे पहले हिजबुल्लाह ने कहा था कि इजराइली सेना ने लेबनान में कोई घुसपैठ नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया ने भी इजराइल का समर्थन किया : ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इजराइल पर ईरानी हमले की निंदा की है। उन्होंने मिडिल ईस्ट में तनाव कम करने की भी अपील की है। अल्बनीज ने कहा कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का हक है।

ईरान, लेबनान, ईराक में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया : अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल पर ईरानी हमले के बाद तेहरान, लेबनान की राजधानी बेरूत, ईराक, वेस्ट बैंक और गाजा की सड़कों पर जश्न मनाया गया। तेहरान के फिलिस्तीन चौक पर हजारों लोगों ने हिजबुल्लाह, लेबनानी और ईरानी झंडे लहराए। डेनमार्क में इजराइली दूतावास के पास विस्फोट, जांच में जुटी पुलिस डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में इजराइली दूतावास के पास दो विस्फोट हुए हैं।

इजरायल पर ईरान के हमले से पूरी दुनिया में बढ़ी टेंशन, अब जापान ने दे दी इस बात की चेतावनी

टोक्यो, एजेंसी। जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने बुधवार को कहा कि इजरायल पर ईरान के मिसाइल हमले किसी भी तरह से स्वीकार करने लायक नहीं हैं। शिगेरू इशिबा ने युद्ध के खिलाफ चेतावनी भी दे दी है। संसद में मंगलवार को प्रधानमंत्री के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ फोन पर बातचीत की। इसके बाद इशिबा ने यह टिप्पणी की है। गौरतलब है कि ईरान ने मंगलवार को इजरायल पर कई मिसाइलें दागी हैं। इसके बाद अब इजरायल ने भी जवाब देने की कसम खाई है। वहीं अमेरिका ढाल बनकर इजरायल के लिए खड़ा दिख रहा है। इन हमलों के बाद फुल स्केल वॉर की आशंका गहरा रही है। बुधवार को मीडिया से बातचीत करते हुए जापान के प्रधानमंत्री ने कहा, ईरान का हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। साथ ही जापान और अमेरिका स्थिति को शांत करने और इसे पूर्ण युद्ध में बढ़ने से रोकने के लिए पूरा सहयोग करेंगे। इस दौरान 67 वर्षीय पूर्व रक्षा मंत्री ने नाटो की तर्ज पर आपसी रक्षा के लिए एक क्षेत्रीय सैन्य गठबंधन बनाने का भी समर्थन किया है। इशिबा ने कहा है कि उनके पहले फुमियो किशिदा की सरकार के दौरान जापान-अमेरिका रक्षा गठबंधन काफी मजबूत हुआ। इशिबा ने कहा कि उन्होंने बाइडेन से कहा कि वे उस नीति को विरासत में आगे बढ़ाएंगे और इसे और मजबूत बनाने की कोशिश करेंगे। इशिबा ने भारत, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, और फिलीपींस का उल्लेख करते हुए कहा मैंने बाइडेन कहा कि हम समान विचारधारा वाले देशों के नेटवर्क को भी मजबूत करना चाहेंगे। जापान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने चीन, उत्तर कोरिया और यूक्रेन युद्ध से संबंधित मुद्दों पर सहयोग जारी रखने पर सहमति व्यक्त की है। व्हाइट हाउस ने भी एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि बाइडेन ने शिगेरू को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देने के लिए फोन किया था। बयान में बताया गया, राष्ट्रपति ने कहा कि वह अमेरिका-जापान वैश्विक साझेदारी को गहरा करने के लिए प्रधानमंत्री इशिबा के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

पेरू में तीन वाहनों की टक्कर में नौ लोगों की मौत, 16 घायल

लीमा, एजेंसी। पेरू के टैकना क्षेत्र में कोस्टानेरा हाइवे पर तीन वाहनों की टक्कर में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना ला याराडा-लॉस पालोस जिले में एल चास्की नामक मोड़ के पास हुई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सरकारी समाचार एजेंसी एंडीना के हवाले से बताया कि रविवार रात को विल्का ट्रांसपोर्ट कंपनी की एक बस, एक प्राइवेट कार और एंडियन प्रॉडक्ट्स, भेड़ ले जा रहे ट्रक में टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक ड्राइवर और कई बस यात्री मलबे में फंस गए, जबकि प्राइवेट कार में सवार लोग कथित तौर पर घटनास्थल से भाग गए। चश्मदीदों ने बताया कि कार गलत लेन में चली गई, जिससे दुर्घटना हुई। कार के अंदर बीयर के डिब्बे पाए जाने से संदेह पैदा हुआ कि ड्राइवर नशे में था। फायर फाइटर्स की टीम और कई एम्बुलेंस सहित आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंच गईं। हिपोलिटो यूनान्यू रीजनल हॉस्पिटल के निदेशक एडी विसेंट चोक ने कहा कि रविवार रात को 16 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार सुबह तक छह को छुट्टी दे दी गई, जबकि 10 अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। कुछ ही दिन पहले उत्तरी पेरू के ला लिबर्टाड क्षेत्र में दो गाड़ियों की टक्कर में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, 18 सितंबर को यह दुर्घटना चिकामा जिले, एस्कोप प्रांत की एक सड़क पर हुई।

अमेरिकी चुनाव से पहले जेडी वेंस और वॉल्ज आखिरी बार आमने-सामने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति का अगले महीने चुनाव होना है। इस बार मुकाबला पूर्व राष्ट्रपित डोनाल्ड ट्रंप और मौजूदा उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच है। दोनों के बीच पिछले महीने प्रेसिडेंशियल डिबेट हो चुकी है। जिसमें कमला हैरिस ने बढ़त बनाई थी। अब रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस और टिम वाल्ज के बीच 1 अक्टूबर को वाइस प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई।

डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच 10 सितंबर को हुई दिलचस्प डिबेट के बाद आज रात को जेडी वेंस और टिम वाल्ज ने डिबेट को दौरान जमकर एक दूसरे पर हमला बोला। यह डिबेट सीबीएस न्यूज की ओर से कराई थी। भारतीय समयानुसार सुबह 6.30 बजे शुरू हुई इस 90 मिनट की डिबेट में टिम और जेडी ने मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव से लेकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था, माइग्रेशन और गर्भपात, जलवायु परिवर्तन पर एक दूसरे पर जमकर हमला बोला।

चुनाव की आखिरी डिबेट मानी जा रही है : मिनेसोटा से गवर्नर और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वॉल्ज और ओहायो से सीनेटर रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस डिबेट से पहले एक दूसरे साथ गर्मजोशी से मिले। अगले महीने होने वाली चुनावों से पहले इसे दोनों पार्टियों को ओर से आखिरी चुनावी डिबेट माना जा रहा है। इससे पहले ट्रंप ने उपराष्ट्रपति हैरिस के साथ दूसरी बहस से इनकार कर दिया था।

इस डिबेट के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वॉल्ज ने मौजूदा सरकार की मिडिल क्लास को लेकर पेश की गई योजनाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि,

पार्टी सुनिश्चित करेगी कि मिडिल क्लास के कंधों से टैक्स का बोझ कम हो। वहीं रिपब्लिकन जेडी वेंस लगातार देश पर बढ़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर बाइडन सरकार पर निशाना साधते दिखे।

डिबेट में छाए रहे ये मुद्दे : डिबेट का पहला सवाल इस्राइल पर ईरान के मिसाइल हमले के बारे में था। इस पर वॉल्ज ने तुरंत ट्रंप की विदेश नीति पर निशाना साधा, इसके अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति ट्रंप का झुकाव और 2015 के ईरान परमाणु निरस्त्रीकरण समझौते से संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर निकलने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति की आलोचना की। डिबेट के दौरान गर्भपात से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के टिम वॉल्ज ने डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की। उन्होंने कहा की ट्रंप गर्भपात पर बैन के हिमायती हैं। गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को पलटने वाले सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की नियुक्ति में ट्रंप की अहम भूमिका थी। इसके जवाब में जेडी वेंस ने कहा कि, गवर्नर वाल्ज ने डोनाल्ड ट्रंप को अराजकता का एजेंट बताया है, जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने वास्तव में दुनिया में स्थिरता लाई है। उन्होंने प्रभावी निरोध स्थापित करके ऐसा किया। लोग लाइन से बाहर निकलने से डरते थे। डिबेट के दौरान जेडी वेंस ने आव्रजन नीति को लेकर कहा कि हमारे देश में दो से ढाई करोड़ लोग अवैध शरणार्थी हैं। मुझे ओहायो के स्प्रिंगफील्ड की बहुत चिंता है। यहां के अमेरिकी नागरिकों की जिंदगी कमला हैरिस के ओपन बॉर्डर करके बर्बाद कर दी। इस पर वॉल्ज ने कहा कि ऐसा तब होता है, जब आप समस्याओं को सुलझाने के बजाए उन्हें और बिगाड़ देते हैं।

अमेरिका में हेलेन के कहर से 100 लोगों की मौत महाशक्ति देश में 17 लाख लोग अंधेरे में

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 26 सितंबर को आए विनाशकारी तूफान हेलेना ने दक्षिणपूर्व और मध्यपश्चिमी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। यहां हेलेन तूफान अब तक 100 से ज्यादा लोगों की जान ले चुका है जबकि लगभग 17 लाख लोग अब भी बिजली के बिना जीवन गुजार रहे हैं। तूफान की वजह से न सिर्फ बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, बल्कि कई जगहों पर साफ पानी की भी कमी हो गई है, जिससे प्रभावित लोगों को गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।तूफान की प्रचंड हवाओं और मूसलधार बारिश ने बिजली के खंभों को उखाड़ दिया और पेड़ गिराकर सप्लाई लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

इसके अलावा, तूफानी लहरों और तेज हवाओं से कई इलाकों में यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है, जिससे बिजली कर्मचारियों का प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है।तूफान से कुल मिलाकर लगभग 55 लाख ग्राहक प्रभावित हुए हैं। तूफान की चपेट में आकर 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। तूफान की वजह से घरों और

अन्य संपत्तियों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। कुछ इलाकों में तूफानी हवाओं के कारण पेड़ और खंभे गिर गए, जिससे बिजली बहाल करने में और कठिनाइयां आ रही हैं।तूफान के कारण प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति भी बाधित है। कई घरों तक पीने का साफ पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे हालात और ज्यादा बिगड़ गए हैं।

बिजली कंपनियां, खासकर ड्यूक एनर्जी, बिजली बहाली के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। कंपनी ने अब तक दक्षिण कैरोलिना में 1,35,000 से अधिक ग्राहकों की बिजली सप्लाई बहाल कर दी है। हालांकि, अब भी दक्षिण कैरोलिना के 3,95,000 और उत्तर कैरोलिना के 2,66,000 से अधिक ग्राहक बिना बिजली के हैं। कंपनी ने कहा कि शुक्रवार रात तक अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति फिर से शुरू हो जाएगी।बिजली की कमी के कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी बाधित हो गई है, जिससे लाखों लोग साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। राज्य और स्थानीय अधिकारियों ने राहत कार्य शुरू कर दिए हैं।

फिर बच गई कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार लगातार दूसरा विश्वास मत हासिल करने में कामयाब

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को एक बार फिर देश की संसद में विश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने इसमें भी जीत हासिल की। यह मुख्य प्रतिद्वंद्वी टोरी द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रयास था। ट्रूडो ने 207 में से 121 वोटों के साथ दोबारा चुनाव कराने के कंजर्वेटिव के इरादे पर पानी फेर दिया। इस दौरान संसद में दो छोटे गुट ट्रूडो की अल्पमत सरकार के पक्ष में दिखे। बता दें कि प्रस्ताव में ट्रूडो सरकार पर आवास संकट, रहने की लागत और बढ़ते अपराध को कम करने में असफल रहने और कनाडाई इतिहास में सबसे अधिक केंद्रीकृत सरकार होने का आरोप लगाया गया था।

एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार विश्वास प्रस्ताव का सामना : एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार जस्टिन ट्रूडो को विश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। इससे पहले गुरुवार को उन्होंने कंजर्वेटिव द्वारा पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव पर जीत हासिल की थी। जनमत सर्वेक्षण में 20 अंकों की बढ़त पाने के बाद टोरी नेता पियरे चुनाव की उम्मीद कर रहे थे। दरअसल, वामपंथी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने पिछले महीने लिबरल्स के साथ गठबंधन समझौते को तोड़ दिया था। इससे ट्रूडो सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे।

कनाडा की वेस्टमिंस्टर संस्दीय प्रणाली में एक

सत्तारूढ़ पार्टी को हाउस ऑफ कॉमंस का विश्वास बनाए रखना जरूरी है। आसान शब्दों में कहा जाए तो सत्तारूढ़ पार्टी को अधिकांश सदस्यों का समर्थन बनाए रखना आवश्यक है। वर्तमान समय में लिबरल के पास 153 सीटें, कंजर्वेटिव के पास 119 और ब्लॉक क्यूबेकॉइस के पास 33 और एनडीपी के पास 25 सीटें हैं। साल 2015 में ट्रूडो ने अपनी सरकार बनाई थी, जिसके बाद वे लगातार दो बार 2019 और 2021 में सत्ता में बरकरार रहने में कामयाब रहे। हालांकि, पिछले कुछ समय से उनकी लोकप्रियता में गिरावट देखने को मिली है। हाल के महीनों में उन्हें कई असफलताओं का सामना करना पड़ा है, जिसमें पार्टी के दो मजबूत गढ़ में उनकी हार शामिल है।

छह राज्य तय करेंगे कौन बनेगा अमेरिका का राष्ट्रपति? ट्रंप और हैरिस कर रहे कड़ी मेहनत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों के बीच कड़ा मुकाबला है। हालांकि, इनकी किस्मत कुछ महत्वपूर्ण राज्यों के हाथ में हैं।

क्या है अमेरिका में राष्ट्रपति चुनने का तरीका : अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में पूरे देश में सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाला उम्मीदवार विजेता नहीं होता। इसके बजाय दोनों पार्टियों के उम्मीदवार को पूरे 50 राज्यों में होने वाले चुनावों को जीतने के लिए प्रतिस्पर्द्धा करनी पड़ती है। हरेक प्रांत में आंशिक तौर पर जनसंख्या पर आधारित कथित इलेक्टोरल कॉलेजों की एक निश्चित संख्या होती है। इस तरह 538 इलेक्टोरल कॉलेज होते हैं। इनमें से 270 या इनसे अधिक में जीतने वाला ही विजेता होता है।

केवल दो को छोड़ कर सभी राज्यों में जो भी उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट हासिल करता है उसे ही इलेक्टोरल कॉलेज के सभी वोट दे दिए जाते हैं। ज्यादातर राज्य एक या दूसरी पार्टी की ओर काफी ज्यादा झुके होते हैं। इसलिए उम्मीदवार लगभग उन एक दर्जन के राज्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं जहां उनके जीतने की संभावना होती है। इन्हें बैटलग्राउंड या स्विंग स्टेट कहते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कोई उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट हासिल कर सकता है। जैसे हिलेरी क्लिंटन ने 2016 में राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा वोट हासिल किए थे। लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज के चुनावों में वो हार गई थीं। इस साल यहां छह बैटलग्राउंड यानी स्विंग स्टेट हैं, जिन पर

हर किसी की नजर बनी हुई है। यहां 19 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। पेंसिल्वेनिया को यूं तो एक मजबूत डेमोक्रिटक गढ़ माना जाता है लेकिन हाल के कुछ सालों में ये रंग बदलता दिख रहा है। स्विंग स्टेट में यह काफी बड़ा राज्य है। वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन यहीं से हैं। पिछली बार यानी साल 202 में यहां पर बाइडन को 1।2 फीसदी के अंतर से जीत हासिल हुई थी। 1.3 करोड़ आबादी वाले राज्य में ट्रंप को 2016 में जीत हासिल हुई थी। फिलाडेल्फिया और पिट्सबर्ग जैसे रस्ट बेल्ट शहरों के लिए जाना जाने वाला पेंसिल्वेनिया दशकों से अपने औद्योगिक विनिर्माण आधार में लगातार गिरावट से परेशान है। ट्रंप और हैरिस ने पूर्वी राज्य में बार-बार प्रचार किया है। पूर्व राष्ट्रपति ग्रामीण श्वेत आबादी को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं और चेतावनी दे रहे कि छोटे शहरों में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। हैरिस हाल ही में बुनियादी ढांचे में मिली सफलता का बखान कर रही हैं और पिट्सबर्ग में उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र में 100 अरब डॉलर के निवेश की योजना की रूपरेखा पेश की, जो राज्य के निवासियों के लिए एक प्रमुख मुद्दा है। जॉर्जिया - जॉर्जिया में 16 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। यह दक्षिण-पूर्वी राज्य डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के अंत में एक चुनावी मुद्दा था और विवाद अभी भी जारी है।

नौ शक्तियों का मिलन पर्व है नवरात्रि

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(शारदीय नवरात्रि (3-12 अक्तूबर) पर विशेष)

नवरात्रि के ये दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष 3 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 12 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं।

आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के पावन पर्व नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। नवरात्रि के ये दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष 3 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 12 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए

हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है। दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है। नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त सिद्धिदात्री महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

महायुद्ध का खतरा

ईरान द्वारा इजरायल को सीधे निशाना बनाने से महायुद्ध जैसे हालात बनना पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक और दुखद है। तनाव चरम पर है, क्योंकि इजरायल किसी भी वक्त ईरान पर जवाबी वार कर सकता है। दरअसल, लगभग एक साल से ईरान प्रत्यक्ष रूप से संयम दिखा रहा था। हिज्बुल्लाह जैसे आतंकी संगठनों को हर तरह की मदद देकर खुद को सीधे युद्ध में उतरने से बचा रहा था, पर मंगलवार को एक साथ 180 मिसाइलें दागकर इजरायल को उसने साफ संकेत दे दिया है कि वह अब चुप नहीं बैठेगा। खासकर, नसरल्लाह की मौत के बाद ईरान पर जंग में कूदने का भारी दबाव था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी साफ कह दिया है कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजरायल के साथ समस्या यह है कि वह बदले की मानसिकता में फंसा हुआ है और किसी भी नसीहत पर कान नहीं दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव को भी वह रत्ती भर भाव देने को तैयार नहीं है। अमेरिका से मिल रहा समर्थन उसके लिए पर्याप्त है। ऐसे में, एक महायुद्ध दहलीज पर दस्तक देने लगा है। आज एक बड़ा सवाल है कि क्या इजरायल, ईरान जैसे देश महायुद्ध चाहते हैं? दरअसल, हर देश दुनिया में आम जनमानस को लेकर सजग है। संसार के ज्यादातर लोग महायुद्ध नहीं चाहते, इसलिए बड़ी आक्रामकता दिखाने के बावजूद देश अपना बचाव भी कर रहे हैं। ईरान की ही अगर बात सुनें, तो उसने यही कहा है कि उसका हमला पूरी तरह रक्षात्मक था और वह लेबनान में इजरायल द्वारा की गई हत्याओं व हमलों का जवाब देना चाहता था। ईरान यह मानता है कि उसने 180 मिसाइलें दागकर हिसाब बराबर किया है और उसकी ओर से हमला समाप्त है, जब तक कि इजरायल उसे फिर उकसाता नहीं है। जाहिर है, इजरायल ने फिर वार किया, तो यकीन मानिए, दुनिया महायुद्ध की ओर बढ़ चलेगी। यहां परमाणु जनित खतरे की आशंका की चर्चा न हो, तो बेहतर है। आज दुनिया ऐसी स्थिति में नहीं है कि महायुद्ध झेल सके। यह किसी भी प्रकार के हमलावरों की पीठ थपथपाने के बजाय शांति दूतों को आगे करने का समय है। संयुक्त राष्ट्र की सक्रियता जरूरी है, ताकि दुनिया युद्ध की वास्तविकता से परिचित हो सके। आज दोनों ओर ऐसे देश हैं, जो सूचनाओं को छिपा सकते हैं। वार करने वाला देश अलग आंकड़े देगा और वार झेलने वाला देश न्यूनतम क्षति दर्शाएगा। शायद, हम एक ऐसे दौर के गवाह बनेंगे, जब सही सूचनाओं पर पहरे होंगे। यह दुनिया के लिए ज्यादा खतरनाक स्थिति होगी। युद्ध पर कहीं तो लगाम लगे। गाजा से लेकर कीव तक युद्धों के चलते रोज सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। इजरायल ने मंगलवार को भी लेबनान पर हमले जारी रखे, जिसमें 55 लोगों की मौत हो गई। किसी तरह से इजरायल को अमन बहाली के लिए तैयार करना होगा और दूसरी ओर, अरब मुल्कों को किसी भी तरह के आतंकी संगठन के बचाव से बाज आने के लिए पाबंद करना होगा। यह गौर करना जरूरी है कि मुट्ठी भर आतंकियों वाले हमास और हिजबुल्लाह की कारस्तानियों ने दुनिया को कहां पहुंचा दिया है। ईमानदारी से सोचना होगा, इजरायल का दुनिया में सकारात्मक योगदान भी है, पर उसकी आक्रामकता निर्ममता की हदें पार न करे, यह सुनिश्चित करना आज समय की सबसे बड़ी मांग है। महायुद्ध रोकने के लिए भारत के साथ चीन को भी जरूर आगे आना चाहिए, तो बात जल्दी सुनी जाएगी।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिटयूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। 卐एशिया पावर इंडेक्स 2024卐 नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है।

उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर 卐क्वाड卐 के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ौसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हमास युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं।

(चिंतन-मनन)

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंत-करण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मन- प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा। संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णत- व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो। अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामथ्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

विचार मंथन

ईरान द्वारा इस्राइल पर मिसाइल हमला: तृतीय विश्व युद्ध की आहट

(लेखक/-सनत कुमार जैन)

ईरान और इस्राइल के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव ने एक नया चिंताजनक मोड़ ले लिया है। ईरान ने इस्राइल पर मंगलवार की रात सैकड़ों मिसाइलें दागी हैं। यह संख्या पहले डेढ़ सौ से दो सौ के बीच बताई जा रही थी। अब यह आंकड़ा तीन सौ से चार सौ के बीच बताया जा रहा है। यह हमला न केवल दोनों देशों के बीच के तनाव को चरम पर ले गया है, वरन पूरे मध्य पूर्व की स्थिरता को गंभीर खतरे में डाल दिया है।

इस्राइल और ईरान के बीच की दुश्मनी कोई नई बात नहीं है। दोनों देश वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं और इस्राइल का सुरक्षा तंत्र और इजरायल द्वारा किया जा रहा है। यह विस्तार मुख्य झगड़े की जड़ है। हाल के हमले ने इस संघर्ष को विश्व स्तर का बना दिया है। इतने बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले का मतलब है, ईरान अब न केवल इस्राइल के खिलाफ अपनी आक्रामकता को खुलकर दिखा रहा है, बल्कि वह इसराइल और अमेरिका के साथ खुलकर लड़ने के लिए मैदान में आ गया है। यह ईरान की शक्ति का प्रदर्शन माना जा सकता है। ईरान अपनी सैन्य क्षमता का संदेश सारी दुनिया को देना चाहता है। इस्राइल ने कई बार ईरान के परमाणु कार्यक्रमों पर निशाना साधने और उसके आंतरिक मामलों में दखल देने के कारण ईरान को आक्रामक बना दिया है। इस्राइल की ओर से इस हमले का जवाब ईरान को मिलना तय है। इस्राइल की प्रतिक्रिया से ईरान सहित पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ना तय है। इसमे वैश्विक शक्तियों के हस्तक्षेप की संभावना बढ़ गईं है। यह पूरी स्थिति विश्व शांति के लिए बेहद चिंताजनक है। जब दुनिया के देश कई वि भिन्न समस्याओं से जूझ रहे है। यह सैन्य संघर्ष की शुरुआत पूरे विश्व को अस्थिर कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन इस लड़ाई में मध्यस्थता के लिए जो प्रयास अभी तक किए गये हैं, वह सब विफल रहे हैं। जल्द ही समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संघर्ष भयावह हो सकता है।मिसाइल हमले के बाद की स्थिति में क्षेत्रीय स्थिरता, नागरिकों की सुरक्षा और वैश्विक शांति सभी खतरे में पड़ती दिख रही है। अब यह देखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस संकट को शांत करने के लिए क्या प्रयास करता है। इजराइल ने जिस तरह से आक्रामक तेवर दिखाये हैं, अमेरिका ने पीछे से इजराइल का समर्थन किया है। पिछले कई महीनो से इजराइल नरसंहार कर रहा है। गाजा पट्टी पर कब्जा करने के बाद इजराइल अब लेबनान में घुस गया है। ईरान को सीधी चेतावनी दे दी गई है ऐसी स्थिति में अब ईरान के पास भी और कोई विकल्प नहीं रह गया था। ईरान के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर चीन और रूस का समर्थन ईरान को मिलना तय है। यूक्रेन और रूस के बीच में पिछले कई महीनो से युद्ध चल रहा है। नाटो के देश और अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। इजराइल अपनी विस्तारवादी नीतियों के कारण आक्रामक बना हुआ है। रूस और चीन जैसी महा शक्तियों को अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए इस युद्ध में ईरान के पक्ष में कूदना ही पड़ेगा। रूस ने चेतावनी दी है, वह अपनी परमाणु और एटमी शक्ति का उपयोग कर सकता है। ऐसी स्थिति में तृतीय विश्व युद्ध की आशंका अब व्यक्त की जाने लगी है। दुनिया के सारे देश आर्थिक मंदी में फंसे हुए हैं। दुनिया के देशों में शासको के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन चल रहे हैं। राजनीतिक दृष्टि से जब आंतरिक चुनौतियों तेज हो जाती हैं, तब शासक वर्ग इसी तरह से जनता का ध्यान भटकाने के लिए बाहय युद्ध का हउआ खड़ा करके अपनी सत्ता को बचाना चाहते हैं। सत्ता की इस लड़ाई में एक बार फिर विश्व शांति खतरे में पड़ रही है। कोई किसी की नहीं सुन रहा है। जिस तरह की स्थिति बन गई है,

उसमें खाड़ी के देश ईराक, जार्डन, सऊदी, यूएई, कतर जैसे देश भी इस लड़ाई में शा मिल होंगे। ईरान ने चेतावनी देते हुए कहा मिसाईल का यह हमला ट्रेलर है। पूरी पिक्चर बाकी है। ईरान ने अमे रिकी परस्त खाड़ी देशों को भी निशाने पर ले लिया है। इससे सारी दु निया में इस लड़ाई को तीसरे विश्व युद्ध की लड़ाई का प्रारं भिक चरण माना जा रहा है।

लीवर कैंसर का उपचार

लीवर कैंसर, लीवर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। लीवर ऐसे तत्व उत्पन्न करता है जो रक्त का थक्का जमने में मदद करते हैं। विषैले तत्वों, दवाओं और अल्कोहल आदि को हटाता है। पित्त निर्मित करता है, जिससे शरीर को वसा और कोलेस्ट्रॉल अवशोषण में सहायता मिलती है।

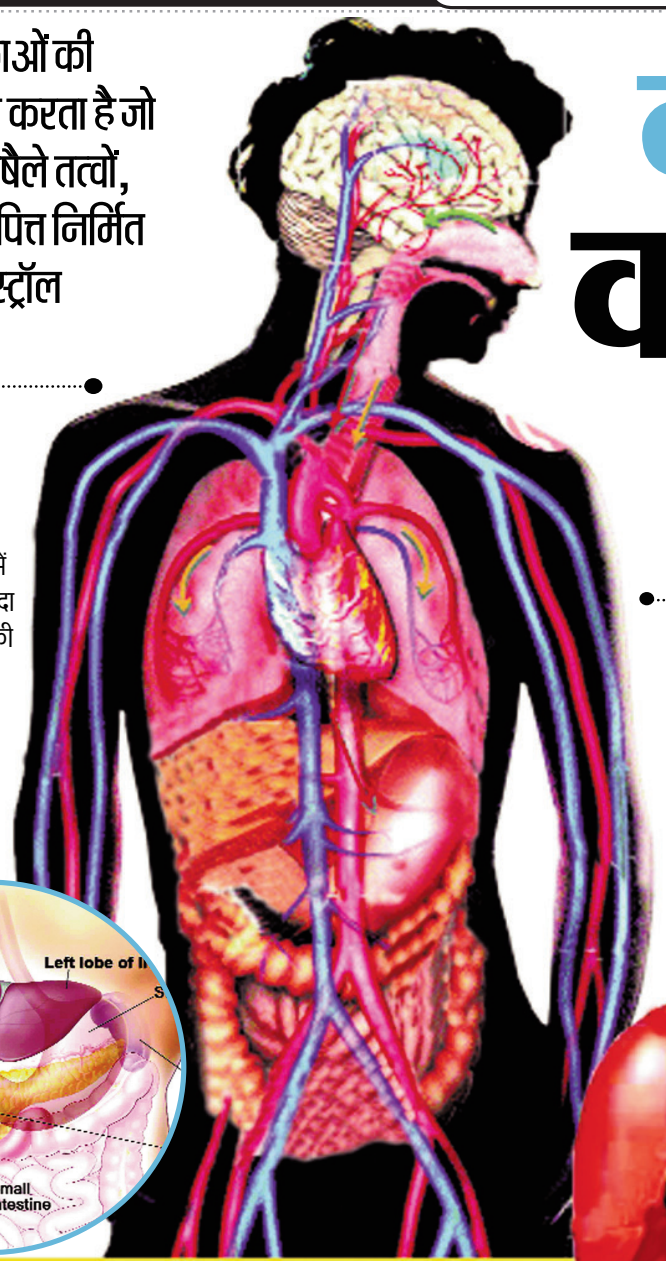

पुरुषों को बीमारी अधिक

यह संयुक्त राज्य और यूरोप में अपेक्षाकृत कम पाया जाता है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुमान के अनुसार, हर वर्ष 17,000 से अधिक लोगों में प्राइमरी लीवर कैंसर का निदान पाया जाता है। इनमें से अधिकतर की उम्र 40 वर्ष से अधिक होती है और 15,000 से ज्यादा लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है। संयुक्त राज्य में महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में लीवर कैंसर के दोगुना मामले पाए जाते हैं।

कोशिकाएं फैलती हैं

संयुक्त राज्य में अधिकतर लीवर ट्यूमर, लीवर में अन्य अंगों मुख्य रूप से कोलोन, रेक्टिम, लंग, ब्रेस्ट, पैंक्रिया और स्टॅम से फैलते हैं। जब कोई कैंसर लीवर में अन्य कहीं से फैलता है तो कैंसर कोशिकाएं दोनों जगहों पर समान होती हैं। उदाहरण के लिए यदि फेफड़ों का कैंसर (लंग कैंसर) लीवर तक फैलता है तो लीवर में पाई जाने वाली कैंसर युक्त कोशिकाएं फेफड़ों में पाई गई कैंसरयुक्त कोशिकाओं के समान ही होती हैं। इस कारण व्यक्ति का उपचार लीवर कैंसर के लिए नहीं, बल्कि लंग कैंसर के लिए किया जाता है। लीवर कैंसर को डॉक्टन मेटॉस्टेटिक लंग कैंसर कह सकते हैं।

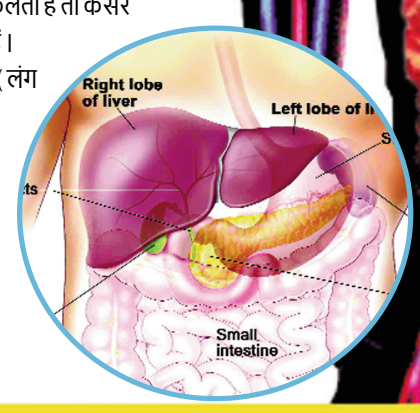

तीन प्रकार का लीवर कैंसर

प्राइमरी लीवर कैंसर के तीन मुख्य प्रकार हैं- हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपैटोमा या एचसीसी) हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपैटोमा या एचसीसी)। कोलनजियोकार्सिनोमा (बाइल डक्ट कैंसर)।

लीवर का कैंसर या तो लीवर में शुरू होता है या लीवर में शरीर के अन्य अंगों से फैलता है। प्राइमरी लीवर कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाने वाला ठोस ट्यूमर है, जिसके एक मिलियन से अधिक मामलों का हर वर्ष निदान किया जाता है। इसमें 40 साल से अधिक उम्र के मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिलती है। अगर आप भी इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो आप डॉक्टर से उचित परामर्श लेकर इसका शीघ्र निदान करा सकते हैं।

जोखिम घटक

हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के ज्यादातर मामलों में हेपैटाइटिस बी और हेपैटाइटिस-सी जिम्मेदार होते हैं। हेपैटाइटिस-ए में लीवर कैंसर पनपने का खतरा नहीं बढ़ाता। सिरोसिस, जिसमें लीवर की कोशिकाओं पर अनेक कारणों से दाग बन जाते हैं। संयुक्त राज्य में सिरोसिस का सबसे प्रचलित कारण हेपैटाइटिस-सी और अधिक मात्रा में शराब पीना है। संयुक्त राज्य में 50 से 70 प्रतिशत लीवर कैंसर के मामले सिरोसिस से जुड़े होते हैं। कुछ अध्ययनों में इसका संबंध हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा से पाया गया है।

इनसे बढ़ता है खतरा

इस प्रकार का कैंसर पनपने का खतरा बढ़ा देती हैं जिनमें शामिल हैं- पित्ताशय की पथरी (गॉलस्टोपन्सक), पित्ताशय दाह (गॉलब्लडेर इन्फ्लेमेशन) और कई बार क्रॉनिक अल्स रेटिव कोलाइटिस (लार्ज बावेल में इन्फ्लेपमेशन होना)।

एंजियोसरकोमा (हेमन्जियोसरकोमा) - यह लीवर कैंसर का बहुत कम पाया जाने वाला प्रकार है।

हेपैटोब्लॉस्टोनमा - यह दुर्लभ प्रकार का कैंसर, आमतौर से 4 वर्ष की उम्र से छोटे बच्चों में पाया जाता है।

लीवर कैंसर के लक्षण

बीमारी बढ़ जाने तक इसके लक्षण आमतौर से नहीं दिखते। लक्षणों में ये शामिल किए जा सकते हैं-

- वजन में अप्रत्याशित कमी आ जाना।
- ठीक से भूख न लगना।
- थोड़ा खाना खाने पर भी पेट भरा हुआ लगना।
- पेट के ऊपर या दाएं हिस्से में दर्द या सूजन का होना।
- त्वचा और आंखों पर पीलापन होना।
- लीवर का फैल जाना या लीवर के क्षेत्र में किसी पिंड का बनना।
- क्रॉनिक हेपैटाइटिस या सिरोसिस की समस्या गंभीर हो जाना।
- रक्त में शर्करा (ब्लड शुगर) कम होना।
- पुरुषों में स्तन वृद्धि होना।

लीवर कैंसर का निदान

लीवर कैंसर का पता तब लगता है, जब बीमारी का स्तर बढ़ जाता है। प्रारंभिक अवस्था में इसके लक्षण एकदम स्पष्ट नजर नहीं आते। डॉक्टर आपसे निम्न जांचें करा सकता है।

शारीरिक जांचें

वजन में कमी होने, कुपोषण, कमजोरी, लीवर का बढ़ना और इससे जुड़ी बीमारियां जैसे कि हेपैटाइटिस और सिरोसिस।

ब्लड टेस्ट

अल्फा-फेटोप्रोटीन नामक एक प्रोटीन के बढ़े हुए स्तर की जांच जिससे लीवर कैंसर का पता लग सकता है। कंप्यूटर का टेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन, एक प्रक्रिया ट्यूमर की खोज और लोकेशन जानने के लिए जिसमें एक्स-रे और कंप्यूटर तकनीक का प्रयोग शरीर की अनुप्रस्थ (क्रॉस सेक्शूनल) छवियां निर्मित करने के लिए किया जाता है।

अल्ट्रा साउंड से जांचें

इसका उपयोग लीवर कैंसर की खोज और कैंसर युक्त (मैलिग्नेंथट) तथा कैंसर रहित (सामान्य) ट्यूमरों में अंतर के लिए किया जाता है।

डॉक्टर से कब संपर्क करें

यदि आपमें लीवर कैंसर का कोई भी लक्षण है तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें। मुख्य लक्षण ये हैं- थकान, हल्का बुखार, त्वचा और आंखों का पीलापन (जांडिस), मांसपेशियों या जोड़ों का दर्द, मतली आना, मूत्र का गाढ़ा रंग, उल्टी होना, भूख न लगना और पेट में दर्द या सूजन आने पर आप डॉक्टर से परामर्श लेकर चिकित्सा करा सकते हैं।

लीवर कैंसर की चिकित्सा

उपचार कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे कैंसर का स्तर, आपकी उम्र और आपका सामान्य स्वास्थ्य। सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी और कीमोथेरेपी प्रमुख उपचार विकल्प हैं। प्राय: इन तीनों को एक साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है। सामान्यत: कोई अकेला ट्यूमर कैंसर जो लिम्फ नोड्स या दूसरे अंगों तक फैला नहीं हो, उसे सर्जरी से निकाला जा सकता है। हालांकि इस शुरुआती अवस्था में कम ही लीवर कैंसरों का पता लग पाता है। कुछ मामलों में, यकृत प्रत्यारोपण पर विचार किया जा सकता है। इसमें ट्यूमर्स की समस्या भी होती है। इसके अलावा कई तकलीफें साथ में बढ़ती जाती हैं।

उम्र बढ़ना एक एक प्राकृतिक और अपरिहार्य प्रक्रिया है, जिसे इंसान को हर हाल में स्वीकार करना होता है। उम्र बढ़ने के साथ ही आपके संपूर्ण स्वास्थ्य और जीवन में बहुत से बदलाव आते है, जिसे स्वीकार कर उसके अनुकूल अपने आप को ढालना पड़ता है।

बुढ़ापे की समस्याएं

शरीर में होने वाले बदलावों में विशेष तौर पर सेक्स क्षमता में कमी और मांस-पेशियों में बदलाव आता है। इसलिए आपको इसे स्वीकार कर इस परिवर्तन के साथ ही जीना पड़ेगा।

साध लेते हैं चुप्पी

अक्सर आदमी स्वास्थ्य संबंधी चर्चा होने पर चुप्पी साध लेता है। भावनाओं को दबाने से उसके दिमाग में एक तरह का भावनात्मक हलचल होता है और इससे तनाव, निराशा और चिंता में वृद्धि होती है। अपने घरेलू व अन्य समस्याओं का हल ढूंढ़ने और उस पर सलाह-मशविरा करने के लिए अपने खास लोगों के साथ उसे शेयर करना चाहिए। अपनी भावनाओं को इस तरह दूसरे लोगों के साथ शेयर करने से व्यक्ति अपनी बढ़ती आयु से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से छुटकारा पा जाता है।

सकारात्मक सोचें

जीवन के प्रति हमेशा सकारात्मक सोच रखें और जीवन के मध्य अवस्था का सामना करने के लिए मानसिक तौर पर पहले से ही तैयारी कर लें। उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य में कई तरह का परिवर्तन होता है और इससे व्यक्ति के सेक्सुअल प्रदर्शन पर भी असर दिखने लगता है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति अपने आप को असक्षम और अयोग्य समझने लगता है और एक तरह से हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। व्यक्ति में आत्मसम्मान में कमी, तनाव और निराशा जैसी बहुत सी बीमारियां मनौवैज्ञनिक समस्याओं के कारण पैदा होती हैं, जो आदमी के सेक्सुअल स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही, उसके संपूर्ण स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं।

शेयर करें समस्याएं

व्यक्ति को चाहिए की अपनी पत्नी के साथ अपनी समस्याओं को शेयर करे। संभव है कि वह उन समस्याओं का हल ढूंढ़ने के लिए कोई उपाय बताए और इससे तनाव और निराशा की स्थिति से निकलने में मदद मिले।

भरपूर लें आहार

हमेशा पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें और नियमित रूप से भोजन करें। प्रोसेस्ड और फैटी भोजन करने से परेहज करें और इसके बदले में प्रचुर मात्रा में ताजे फल और फाइबर युक्त आहार का सेवन करें।

एक्सरसाइज जरूरी

हर आयु में नियमित रूप से एक्सरसाइज करना जरूरी होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज कर अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं कर हल्का-फुल्का एक्सरसाइज करना चाहिए। इससे शरीर के साथ दिमाग पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है।

ये भी रखें ध्यान

अपने वजन को हमेशा नियंत्रण में रखें। मोटापा एक साथ कई बीमारियों को निमंत्रण देता है। भोजन में पोषक तत्वों की कमी और कुपोषण से बचने के लिए मल्टीविटामिन्स और सप्लीमेंट लें। शरीर में किसी भी तरह का असहजता महसूस होने पर तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। जीवन में काम-काजी बने, कुछ न कुछ शारीरिक श्रम अवश्य करते रहें।

युवाओं के दिल पर अटैक!

जवानी में तमाम लोगों के दिलों पर अटैक होता है, लेकिन आजकल के युवा हार्ट अटैक के भी शिकार हो रहे हैं। एक नई स्टडी में पता लगा है कि कम उम्र में इसके सबसे ज्यादा शिकार भारतीय युवा ही हैं।

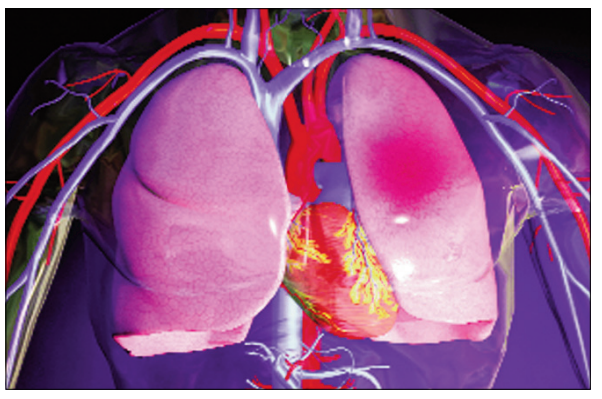

एक नए शोध से पता चलता है कि डिवेलप्ड कंट्रीज में जिस उम्र में हार्ट अटैक होता है, हमारे देश के लोग उसके 10 से 15 साल पहले इसके शिकार हो जाते हैं। गौरतलब है कि डिवेलप्ड कंट्रीज में 70 पर्सेंट हार्ट अटैक जहां 70 की उम्र के बाद होते हैं, वहीं हमारे देश में दो-तिहाई हार्ट अटैक 60 से कम उम्र वालों को होते हैं। हाल ही में आई एक स्टडी के मुताबिक, अब 30-40 की एज ग्रुप वालों का दिल भी सेफ नहीं है। मेडिकल साइंस की भाषा में यह एक्सट्रीमली प्रिमैच्योर स्टेज है।

दिल चाहता है नींद

हार्ट प्रॉब्लम की एक बड़ी वजह यंग इंडिया में नींद में कमी भी है। यंग प्रोफेशनल्स अक्सर अपनी नींद पूरी नहीं करते। अगर वे सोते भी हैं, तो उनका दिमाग अगले दिन के लिए चलता रहता है। दिनभर जो कुछ हुआ, वे उसे सोचते हैं और फिर दिमाग में अगले दिन की प्लानिंग चलती रहती है। इन सबके बीच कंफर्टेबल नींद का तो खात्मा ही हो जाता है। अच्छी नींद जरूरी है, आधी-अधूरी नहीं। जैसे कि रात को भी फोन बज रहा है, एसएमएस पढ़ रहे हैं। नींद की कमी से स्टैमिना खत्म होने लगता है और धड़कन तेज होने लगती है। बिजी लाइफस्टाइल की वजह से यूथ एक्सरसाइज भी नहीं कर पाते। इससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ता है।

खासकर कॉल सेंटर जैसी नाइट शिफ्ट जॉब करने वालों की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। वैसे तो उनके पास सोने के लिए दिन होता है, लेकिन तब वे दूसरे कामों में लगे रहते हैं और बस 2-4 घंटे की ही नींद लेते हैं। बकौल डॉ. चानना, हार्ट के लिए अच्छी नींद बेहद जरूरी है। यही वजह है कि आजकल 25, 28 और 32 साल की उम्र में हार्ट अटैक हो रहे हैं। नींद के लिए टाइम तो निकालना ही पड़ता है। लेकिन जब तक मेंटली फ्री नहीं होंगे, तब तक अच्छी नींद कैसे आएगी? रिसर्च बताती है कि 6 घंटे से कम सोने वालों को हार्ट अटैक होने की आशंका ज्यादा रहती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद पूरी लेनी चाहिए।

मस्ती से आठ घंटे सोएं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि 6 घंटे की नींद बेहद जरूरी है, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि नेक्स्ट डे का काम फ्रेश होकर करें, तो 8 घंटे मस्ती से सोएं। लेकिन इसमें मेडिकेशन का स्कोप कम है और लाइफ स्टाइल इंप्रूवमेंट का रोल ज्यादा है। आपकी डाइट और मेंटल बैलेंस सब मिलकर ही अच्छी नींद देंगे। अगर आप रात को 11 बजे ओवरइटिंग करते हैं, तो आपको अच्छी नींद कहां से आएगी। गौरतलब है कि जो लोग ज्यादा सोते हैं, उनका दिल भी अच्छी हालत में नहीं रहता। लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ज्यादा देर तक सोना अक्सर

फ्रैगमेंटेड स्लीप होता है। नींद पूरी न होने के कारण ही लोग देर तक सोते रहते हैं। इसलिए स्लीप क्वालिटी मेंटेन करने पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा स्नोरिंग पर भी नजर रखने की जरूरत है। जो लोग ज्यादा खर्राटे लेते हैं, उन्हें अपनी स्लीप स्टडी करानी चाहिए।

सिमटे रहने से दिल सेफ नहीं

एक ओपन हार्ट सर्जरी इंस्टीट्यूट के बाहर लिखा था, दिल खोल लेते अपना अगर यारों के साथ, तो आज न खोलना पड़ता औजारों के साथ ...। जी हां, अपने आप में सिमटे रहने से भी दिल सेफ नहीं रहता। क्योंकि इससे स्ट्रेस मैनेज नहीं हो पाता। इन दिनों 28 से लेकर 40 तक उम्र वाले हार्ट पेशंट ज्यादा हैं। इसका मेन रीजन यह माना जाता है कि हमारा जेनेटिक मेकअप ही ऐसा है। लेकिन यहां सवाल यह भी उठता है कि अगर जेनेटिक रीजन है, तो पहले यह प्रॉब्लम क्यों नहीं थी ? दरअसल, पहले, दूसरे फैक्टर्स कंट्रोल में थे। डाइट और स्ट्रेस में ऐसा असंतुलन नहीं था। अब वेजिटेबल इनटेक कम हो गया है। सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी फिजिकल एक्टिविटीज कम होती जा रही है। ऐसे में यंगस्टर्स के लिए जरूरी है कि वे स्मोकिंग पर चेक रखें। रेग्युलर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल चेक कराएं। हर हाल में मेंटल स्ट्रेस कम करें। ग्रुप्स में मिलना और आपस में चीजों को शेयर करना जरूरी है। वर्कप्लेस में भी ग्रुप में घुले-मिलें।

हार्ट अटैक की दो अवस्थाएं

यंग हार्ट अटैक की दो कैटेगिरीज हैं। एक वह जिनके पैरेंट्स को भी यंग एज में हार्ट अटैक की प्रॉब्लम हुई थी। दूसरे वे जो अपनी बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल के चलते इसकी चपेट में आए। वजह चाहे जो भी हो, यूथ को अपने हार्ट की हेल्थ के लिए पहले से ही एक्टिव हो जाना चाहिए। अगर हेरेडिटरी प्रॉब्लम है, तो 40 की उम्र होते ही रेग्यूलर हेल्थ चेकअप कराना चाहिए। ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल का चेकअप बेहद जरूरी है। इन सबके अलावा यूथ में हार्ट अटैक के लिए स्मोकिंग भी जिम्मेदार है। रॉन्ग इटिंग हैबिट्स भी दिल को बीमार कर सकता है।

जंक फूड में ट्रांस फैटी एसिड

जंक फूड में ट्रांस फैटी एसिड होते हैं, जो हार्ट के लिए नुकसानदायक होते हैं। पिज्जा और बर्गर जैसे फूड की बजाय फ्रेश ग्रीन वेजिटेबल्स और कलरफुल फ्रूट्स खाना बेहतर रहेगा। दिनभर में कम से कम 5 बार कलरफुल फ्रूट्स और सलाद लें। दरअसल, इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करते हैं। इसके अलावा ऑल्मंड और वॉलनट जैसे हेल्दी नट्स की 40-50 ग्राम क्वांटिटी हर रोज लेना चाहिए। दूसरे हर समय मोबाइल और कंप्यूटर से जुड़े रहने की वजह से यूथ की फिजिकल एक्टिविटी बहुत कम हो गई है। ऐसे में हफ्ते में पांच दिन 3-4 मील पैदल चलना फायदेमंद रहेगा। हर रोज 30-40 मिनट की ब्रिस्क वॉकिंग या वर्कआउट भी रुटीन में शामिल होना चाहिए।

रिस्क फैक्टर

- ओबेसिटी
- स्लीप डिस्ऑर्डर
- डायबिटीज
- एक्सरसाइज में कमी
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- स्मोकिंग
- स्ट्रेस

यह भी करें

- हार्ट एक मसल है, इसलिए प्रोटीन रिच डाइट लें।
- स्ट्रेंथ बिल्डिंग एक्सरसाइज भी जरूरी है।
- हार्ट-स्पेसिफिक न्यूट्रिएंट्स लें।
- ग्रुप्स में घुले-मिलें। इससे स्ट्रेस कम होता है।

जुलाई-सितंबर में शीर्ष आठ शहरों में आवासीय बिक्री बढी

नई दिल्ली । भारत में मजबूत आवासीय मांग से आठ प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 87,108 इकाई हो गयी। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। रियल एस्टेट के एक सलाहकार ने गुरुवार को एक वेबिनार के जरिये 2024 कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अपनी रिपोर्ट इंडिया रियल एस्टेट जारी की। इसमें एनारॉक और प्रॉपइक्विटी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के विपरीत आवासीय बिक्री में मामूली वृद्धि की बात कही गई। एनारॉक और प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट में देश के प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर में कुल बिक्री में गिरावट की बात सामने आई थी। रिपोर्ट में कहा गया` कि आवासीय बाजार में 2024 में गति अच्छी रही। 2024 की तीसरी तिमाही में इस साल की सर्वाधिक 87,108 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई है।

गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग का आईपीओ आठ को खुलेगा

नई दिल्ली । गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड ने 264 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 92-95 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को घोषणा की कि उसका आईपीओ आठ अक्टूबर को खुलेगा और 10 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, निर्गम 1.83 करोड़ के ताजा शेयर और प्रवर्तक पीकेएच वेंचर्स द्वारा 95 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे उच्च दायरे के तहत आईपीओ की कीमत 264 करोड़ रुपये बैठती है। कंपनी इस नए निर्गम से हासिल 100 करोड़ रुपये तक की राशि का इस्तेमाल कार्यशील पूंजीगत आवश्यकताओं के लिए करेगी। शेष राशि का इस्तेताल विलय व अधिग्रहण सहित सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

बायोकॉन ने 1.1 अरब डॉलर के दीर्घकालिक ऋण का किया पुनर्वित्तपोषण

नई दिल्ली । बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने डॉलर बॉण्ड और नई सामूहिक सुविधा के जरिये 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर (9,347 करोड़ रुपये) के दीर्घकालिक ऋण का पुनर्वित्तपोषण किया है।बायोकॉन की इकाई बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने बयान में कहा कि बॉण्ड बायोकॉन बायोलॉजिक्स ग्लोबल पीएलसी द्वारा जारी किए जाएंगे, जो कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इसे एक मजबूत सुरक्षा पैकेज द्वारा समर्थित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लेनदेन नौ अक्टूबर 2024 को पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन निपटाए जाने की उम्मीद है। बायोलॉजिक्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह रणनीतिक पुनर्वित्तपोषण वित्तीय जुझारूपन को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स की दीर्घकालिक वृद्धि को बढ़ावा देता है और हमारे व्यवसाय के समेकन चरण का मूल है। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि इस लेनदेन से पूंजी संरचना मजबूत होगी और उसे व्यवसाय में निवेश को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। इसमें बायोसिमिलर की हमारी पाइपलाइन को आगे बढ़ाना भी शामिल है।

ब्रोकर को पैसा दिए बगैर शेयर खरीद-बेच पाएंगे निवेशक

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ग्राहकों के लिए 1 फरवरी से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पात्र शेयर ब्रोकरों को अपने ग्राहकों को शेयर खरीदने और बेचने के लिए यूपीआई आधारित ब्लॉक व्यवस्था का विकल्प देना होगा या फिर तीन सुविधाओं वाले कारोबारी खाते का प्रस्ताव देना होगा। यह कदम निवेशकों को अधिक सुरक्षा और पारदर्शिता प्रदान करेगा। यूपीआई आधारित ब्लॉक व्यवस्था के तहत निवेशक को पहले से अपने ब्रोकर को पैसा भेजने की जरूरत नहीं होगी। वह अपने बैंक खाते में धनराशि को ब्लॉक कर सकता है और उसी राशि के आधार पर शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर सकता है। इससे उसकी राशि सुरक्षित रहती है और कोई दुरुपयोग नहीं होता। यह प्रक्रिया एएसबीए की तरह काम करेगी, जिसे पहले आईपीओ के लिए उपयोग किया जाता था। दूसरे विकल्प के तहत ग्राहकों को एक ऐसा खाता मिलेगा जिसमें तीन सुविधाएं जुड़ी होंगी- बचत खाता, डीमैट खाता और कारोबारी खाता। इस खाते में निवेशकों की धनराशि उनके बैंक खाते में सुरक्षित रहेगी और उस पर ब्याज भी मिलेगा। सेबी ने पहले आईपीओ जैसे सार्वजनिक निर्गमों के लिए ब्लॉक व्यवस्था शुरू की थी, जिसमें निवेशकों का पैसा उनके बैंक खाते में ही ब्लॉक कर दिया जाता है। अब इसे शेयर खरीदने और बेचने के लिए भी लागू किया जा रहा है, जिससे निवेशकों को अधिक सुविधाएं मिलेंगी। यह कदम निवेशकों के लिए बड़ा बदलाव साबित हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो शेयर बाजार में सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से निवेश करना चाहते हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया गिरावट के साथ 83.98 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की चिंताओं के बीच घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक धारणा के कारण रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 83.93 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पूंजी बाजारों से विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के साथ ही अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख से भी भारतीय रुपये पर दबाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.91 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.82 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी बढ़त के साथ 101.53 पर रहा। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.11 फीसदी की बढ़त के साथ 74.72 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

वाहन निर्माताओं को अक्टूबर पर भरोसा, 40 फीसदी तक बिक्री की उम्मीद

मुंबई। वाहन निर्माताओं को अक्टूबर महीने पर भरोसा है। इसमें नवरात्रि, दशहरा और दिवाली शामिल हैं। उनका कहना है कि वार्षिक बिक्री की 30 से 40 फीसदी बिक्री इन्हीं दिनों पर होती है। कार निर्माता मौसमी मांग में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। होंडा मोटर, ह्यूंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसे वाहन निर्माता सुस्त बिक्री को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहे हैं। मांग को बढ़ाने के लिए वाहन निर्माताओं के पास तीन मुख्य रणनीति हैं। इनमें नए मॉडल लॉन्च करना, पर्याप्त छूट देना और कीमतों में कटौती लागू करना। कई कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए पहले ही छूट दे चुकी हैं। टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने चुनिंदा मॉडलों पर ऑफर बढ़ा दिए हैं। मारुति सुजुकी ने पहले ही कई मॉडलों की कीमतों में कटौती की। ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो पर 40,000 तक की छूट, वैगनआर पर 30,000 तक का ऑफर, नेक्सा शोरूम में जिम्नी पर 2.5 लाख की छूट, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर 15,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस है। वहीं ह्यूंडई की ग्रैंड आई10 निओस पर 35,000 रुपये तक छूट, ऑरा सेडान पर 30,000 रुपये तक छूट, वेन्यू एसयूवी पर 45,000 तक फायदा है। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अगस्त में स्कॉर्पियो क्लासिक एसयूवी पर छूट को बढ़ाकर 1,00,000 रुपये किया गया है। थार पर छूट बढ़कर 1,50,000 रुपये हो गई है। वहीं होंडा की अमेज सेडान पर फायदा बढ़कर 1,12,000 रुपये, सिटी सेडान पर 1,14,000 रुपये की छूट मिल रही है। टाटा मोटर्स की छूट इस महीने के अंत तक है।

जंग की आहट से सहमा बाजार , सेंसेक्स में 1,769 अंकों की रिकार्ड गिरावट

निफ्टी 546 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार में ये गिरावट आई है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे आये। लगातार विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी निवेशकों ने बाजार से दूसरी बनायी है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1769.19 अंक करीब 2.10 फीसदी नीचे आकर 82,497.10 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 546.80 अंक तकरीबन 2.12 फीसदी नीचे आकर 25,250.10 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 29 शेयर गिरे हैं। इनमें लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, मारुति, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर शामिल रहे। केवल एक शेयर जेएसडब्ल्यू स्टील है ही ऊपर आया। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण दुनिया भर के बाजारों में घबराहट का माहौल है। इसी का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। वहीं अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है।

वहीं एशियाई बाजार में जापान के निक्के केई में 2.24 फीसदी की तेजी रही है जबकि हांगकांग के इंडेक्स में 2.43 फीसदी और कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 1.22 फीसदी की गिरावट है। अमेरिका का डाओ जोंस 0.09 फीसदी ऊपर आकर 42,196 पर और नैस्डैक 0.08 फीसदी उछलकर 17,925 पर बंद हुआ। एसएंडपीए 500 भी 0.01 फीसदी बढ़कर 5,709 पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों ने 5,579 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.25 फीसद ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं मंगलवार को बाजार हल्की गिरावट से बंद हुआ

था। इससे पहले आज सुबह बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेबी के नए नियमों और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का सीधा असर निवेशकों पर पड़ा है, जिससे भारी बिकवाली का माहौल बना। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,264 अंक गिरकर 83,002.09 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 266 अंक की गिरावट के साथ 25,530 पर खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी के 50 में से 44 शेयर लाल निशान पर, जबकि सिर्फ 6 शेयर हरे निशान में थे। इसी तरह सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 3 शेयर हरे निशान पर और 27 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे।

अमेरिका-भारत सीईओ फोरम ने द्विपक्षीय व्यापार, वाणिज्य बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई

वाशिंगटन ।

अमेरिका-भारत सीईओ मंच ने द्विपक्षीय व्यापार तथा वाणिज्य का विस्तार करने, समावेशी आर्थिक वृद्धि और नवाचार को बढ़ाने के साथ मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के इस मंच की सह-अध्यक्षता अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की।मंच का छठा संस्करण बुधवार को अमेरिकी राजधानी में आयोजित किया गया।यह एक ऐसा मंच है जो द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार व निवेश का विस्तार करने के उद्देश्य से संयुक्त सिफारिशें करने के लिए अमेरिका और भारत के व्यापार जगत के लोगों को एक साथ लाता है।लॉकहीड मार्टिन के सीईओ एवं अध्यक्ष जेम्स टेसलेट और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन 2023-2024 के लिए निजी क्षेत्र के सह-अध्यक्ष हैं। बैठक के दौरान, रायमोंडो और गोयल ने पिछले दो वर्षों में मंच के सदस्यों द्वारा की गई सिफारिशों और उनकी पहलों की सराहना भी की। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर

लिखा कि भारत-अमेरिका सीईओ मंच में दोपहर के भोजन पर अमेरिकी वाणिज्य मंत्री रायमोंडो के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमारी चर्चा रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, एआई (कृत्रिम मेधा) और स्वच्छ ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान व विकास सहयोग की संभावनाओं पर केंद्रित रही।

सितंबर में 47 कंपनियों ने आईपीओ से जुटाए 16152 करोड़

नई दिल्ली । निवेशकों के जबरदस्त उत्साह के चलते सितंबर में आईपीओ से 47 कंपनियों ने 16,152 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से 13 मुख्य प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हुई हैं। एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, 13 प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ में बजाज हाउसिंग ने सर्वाधिक 6,560 करोड़ व प्रीमियर एनर्जीज ने 2,830 करोड़ जुटाए। 34 कंपनियां छोटी एवं मझोली यानी एसएमई थीं। 47 कंपनियों में से 61 फीसदी के शेयर इश्यू भाव से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। ट्रैवल्स एंड रेंटल्स का एसएमई आईपीओ 283 फीसदी लाभ के साथ सबसे आगे है। प्रीमियर एनर्जीज 146 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर है।आईपीओ में खुदरा निवेशकों की उत्साही भागीदारी ने एसएमई में सदस्यता स्तर को आश्चर्यजनक ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इस साल के आठ महीनों में आईपीओ बाजार तीन गुना बढ़ा है। इस अवधि में 227 आईपीओ सूचीबद्ध हुए। इन्होंने 12.2 अरब डॉलर जुटाए। 2023 में इसी अवधि के दौरान महज 4.3 अरब डॉलर की रकम जुटाई गई थी।

टाटा इलेक्ट्रा निक्स प्लांट में लगी आग का आईफोन बनने पर असर नहीं

नई दिल्ली ।

देश में त्योहारी सीजन शुरू होने के ठीक पहले टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के संयंत्र होसूर में शनिवार को लगी आग का आईफोन के विनिर्माण पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। भारत में आईफोन16 सीरीज भी 20 सितंबर से देश में मिलने लगा है। ऐपल भारत में आईफोन का उत्पादन बढ़ाना चाहता है और उसकी इस योजना में होसूर संयंत्र अहम भूमिका निभाने जा रहा है। सूत्रों के अनुसार तमिलनाडु के श्रीपेरम्बुदूर में फॉक्सकॉन के असेंबली संयंत्रों में आईफोन के कलपुर्जों (एन्कलोजर) की कमी नहीं है। बेंगलूरु के नजदीक विस्ट्रॉन और चेन्नई के निकट पेगाट्रॉन के संयंत्रों में भी ऐसे एन्क्लोजर की कोई कमी नहीं है। लिहाजा, आईफोन तैयार करने में रुकावट का कोई जोखिम नहीं है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ऐपल वेंडरों को कुल इन्क्लोजर का एक हिस्सा ही भेजती है और बाकी का अब भी आयात किया जाता है। ऐपल ने आवश्यकता महसूस होने पर अपने दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से एन्क्लोजर मंगाने की आपात योजना तैयार कर रखी है। टाटा चीन को भी आईफोन बनाने में इस्तेमाल एन्क्लोजर की आपूर्ति करती है मगर इसका हिस्सा काफी कम है। एक सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा` कि आईफोन

तैयार करने वाले संयंत्रों में एन्क्लोजर की भरपूर संख्या है। इसे देखते हुए हुए आईफोन6 समेत किसी भी आईफोन के तैयार होने में कोई अड़चन नहीं है। हम विशेष परिस्थितियों के लिए भी एन्क्लोजर आयात करते हैं। इस मामले में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ऐपल को भेजे गए ई-मेल का कोई जवाब नहीं आया। सूत्रों ने कहा कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ऐपल अब भी आग लगने के कारणों की पड़ताल कर रहे हैं। एन्क्लोजर बनाने वाले संयंत्र अक्सर रसायन और प्लास्टिक का भंडार रखते हैं, जो आग लगने का कारण हो सकते हैं। उत्पादन संयंत्र ऐसे जोखिमों से काफी सुरक्षित होते हैं।

दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर कम कर सकती है सरकार

नई दिल्ली ।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए बनी मंत्री स्तरीय समिति आम आदमी को बड़ी राहत दे सकती है। समिति कई दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को कम करके 5 फीसदी तक कम करने पर विचार कर रही है। वर्तमान में ट्रैक्टरों पर 12 फीसदी या 28 फीसदी जीएसटी लगता है, जो उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है। ट्रैक्टरों से होने वाले कम राजस्व की भरपाई महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर बढ़ाकर की जा सकती है।

हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी दर में कटौती होने की भी संभावना है। स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी तक जीएसटी किया जा सकता है, जबकि टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी लगने की उम्मीद है। हालांकि, टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी शून्य करने की मांग कई दिनों से उठ रही है, लेकिन इससे बीमा कंपनियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का नुकसान हो सकता है. ऐसे में टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी का प्रस्ताव सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। एक खबर के अनुसार मंत्री स्तरीय समिति जीएसटी की चार दरों को तीन में बदलने के पक्ष में नहीं है, लेकिन 12 फीसदी की दर वाली वस्तुओं की संख्या घटाने पर विचार हो रहा है।

कुछ वस्तुओं को 5 फीसदी के स्लैब में डाला जा सकता है, जबकि कुछ अन्य वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में स्थानांतरित की जा सकती हैं। समिति इस महीने के अंत तक अपनी सिफारिशें स्पष्ट करेगी। 19 अक्टूबर को बीमा पर चर्चा के लिए बैठक होगी और 20 अक्टूबर को दर युक्तिकरण पर वस्तु-विशेष पर चर्चा की जाएगी।

एक ही दिन में 15 कंपनियों ने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत के प्राथमिक बाजार में आईपीओ की लहर जारी है। बड़ी संख्या में कंपनियों के लिस्ट होने के साथ-साथ अभी भी कई कंपनियां कतार में हैं। इसी कड़ी में सितंबर के आखिरी दिन 15 कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड के पास आईपीओ लाने के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा किए, जिनमें विक्रम सोलर, आदित्य इंफोटेक और वरिंडेरा कंस्ट्रक्शंस जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने कुल मिलाकर 8,000 करोड़ रुपये से अधिक के आईपीओ की योजना बनाई है। बीते महीने में 41 कंपनियों ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा किए, जो किसी एक महीने में सेबी के पास जमा होने वाला सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें अलग-अलग सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं, जो नए शेयरों के साथ-साथ ऑफर फॉर सेल इश्यू भी पेश कर रही हैं। वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच भारत के आईपीओ बाजार में तेजी जारी है। सोमवार को विक्रम सोलर, आदित्य इन्फोटेक, वरिंदरा कंस्ट्रक्शन सहित अजाक्स इंजीनियरिंग, राही इंफ्राटेक, विक्रम इंजीनियरिंग, मिडवेस्ट, विनी कॉरपोरेशन, संभव स्टील ट्यूब्स, जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च, ऑल टाइम प्लास्टिक्स, स्कोडा ट्यूब्स और डेव एक्सेलेरेटर ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ का ड्राफ्ट दाखिल किया। ये कंपनियां विस्तार की योजना, कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और मौजूदा शेयरहोल्डर्स के शेयर बेचने के लिए आईपीओ ला रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि 30 सितंबर को 31 मार्च तक के ऑडिटेड फाइनेंशियल्स की अवधि समाप्त होने से पहले बड़ी संख्या में कंपनियों ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किए हैं। सितंबर में सूचीबद्ध 47 कंपनियों में से 61 प्रतिशत से अधिक अपने इश्यू प्राइस से ऊपर कारोबार कर रही हैं, जिसमें ट्रैवल्स एंड रेंटल्स का एसएमई आईपीओ 283 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे है। इसके बाद प्रीमियर एनर्जीज 146 फीसदी और नमो ईवेस्ट मैनेजमेंट 127फीसदी की बढ़त के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। आईपीओ में खुदरा निवेशकों की उत्साही भागीदारी ने विशेष रूप से एसएमई सेगमेंट में सदस्यता स्तर को अप्रत्याशित ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जहां खुदरा श्रेणी में पूरी तरह से सब्सक्राइब न होने वाला एसएमई आईपीओ खोजना अब दुर्लभ हो गया है।

दिल्ली में कार खरीदना और सस्ता हुआ

आतिशी सरकार दे रही 10-20 प्रतिशत की टैक्स छूट

नई दिल्ली ।

अरविंद केजरीवाल के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं आतिशी सिंह ने दिल्ली वासियों को एक बड़ी सौगात दी है। दिल्ली सरकार अपने पुराने वाहनों को कबाड़ घोषित करने का विकल्प चुनने वाले वाहन मालिकों को नए वाहनों की खरीद पर 10-20 प्रतिशत की टैक्स छूट देगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आतिशी ने पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने की पहल को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है, इस नीति को जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। दिल्ली सरकार ने कहा` कि सरकार अपने पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने का विकल्प चुनने वालों को तीन साल के भीतर नए वाहन खरीदने पर मोटर-वाहन कर में छूट के माध्यम से प्रोत्साहन देगी। बयान के मुताबिक इस प्रोत्साहन नीति के तहत नॉन-कमर्शियल सीएनजी और पेट्रोल वाहनों की खरीद पर 20 प्रतिशत, कमर्शियल सीएनजी और पेट्रोल वाहनों की खरीद पर 15 प्रतिशत और डीजल वाहनों पर 10 प्रतिशत की कर छूट मिलेगी। दिल्ली सरकार की इस नीति का उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों को सड़कों से

हटाना है, ताकि कम प्रदूषण फैलाने वाले और बेहतर उत्सर्जन मानक वाले वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सके। इस योजना के तहत लाभ पाने के लिए व्यक्ति को अपना पुराना वाहन किसी पंजीकृत सुविधा केंद्र पर कबाड़ में देने पर जमा प्रमाणपत्र लेना होगा। वह तीन साल के भीतर नए वाहन के पंजीकरण के समय उस प्रमाणपत्र को दिखाकर कर में छूट पा सकेगा। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण और पुराने वाहनों को खत्म करने के मकसद से दिल्ली और उसके आसपास से सटे राज्य पुरानी गाड़ियों को स्क्रैप कराने पर टैक्स में छूट का ऑफर दे रहे हैं। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने भी एक आदेश जारी किया है जिसमें कहा गया है कि 2003 से पहले रजिस्टर्ड वाहनों के मालिकों को अपनी गाड़ी स्क्रैप कराने पर टैक्स में 75 फीसदी की छूट मिलेगी, जबकि 2008 से पहले पंजीकृत गाड़ियों को 50 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा।

आईपीएल का यह नियम सिर्फ धोनी के लिए बना है: दिनेश कार्तिक का बड़ा बयान

दुबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने आईपीएल गवर्निंग बॉडी के उस फैसले का पूरा समर्थन किया है जिसमें एमएस धोनी को आगामी सीजन में 'अनकैप्ड' क्रिकेटर के तौर पर खेलने की अनुमति दी गई है। नए रिटेंशन नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जिसने पिछले पांच सालों में भारत के लिए नहीं खेला है, उसे 'अनकैप्ड' माना जाएगा और उसे काफी कम कीमत पर रिटेन किया जा सकता है। यह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अच्छी खबर है, जो इस नियम का इस्तेमाल पूर्व कप्तान एमएस धोनी को रिटेन करने के लिए कर सकते हैं और कार्तिक का मानना है कि यह नियम 'सिर्फ एक व्यक्ति के लिए' बनाया गया था।

उन्होंने कहा, 'हर कोई इसके बारे में बात करता है। यह नियम एक व्यक्ति के लिए बनाया गया है और मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं। यह व्यक्ति आईपीएल के इस इतिहास का एक बड़ा हिस्सा रहा है। अगर हर कोई खुश है - चाहे वह बीसीसीआई हो, कोई भी टीम हो, चाहे लीग ने पिछले कुछ सालों में कैसा प्रदर्शन किया हो और पिछले 15-18 सालों में इसने खिलाड़ियों को कितना खुश रखा हो, इस व्यक्ति ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।'

उन्होंने कहा, 'आप किसी भी टीवी ब्रॉडकास्टर से पूछ सकते हैं और आपको जवाब मिलेगा कि जब यह व्यक्ति मैदान पर उतरता है, तो रेटिंग बढ़ जाती है। यह एक तथ्य है। अगर आप कुछ ऐसा करने जा रहे हैं जिससे लीग को मदद मिलेगी, तो क्यों नहीं? आप नियमों को तोड़ना नहीं चाहते, लेकिन अगर यह निष्पक्ष है, जहां सभी टीमों को सूचित किया गया है और उन्हें लगता है कि यह निष्पक्ष है, तो चलिए आगे बढ़ते हैं। क्यों नहीं? वह एक खास क्रिकेटर है।'

धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार जुलाई 2019 में खेला था। उनका आखिरी मैच 2019 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ था, जिसमें भारत हार गया था। आईपीएल के एक बयान में कहा गया है, 'एक कैप्ड भारतीय खिलाड़ी अनकैप्ड हो जाएगा, अगर उसने संबंधित सीजन के आयोजन से पहले पिछले पांच कैलेंडर वर्षों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट

मैच, वनडे, ट्वेंटी20 इंटरनेशनल) में नहीं खेला है या उसके पास बीसीसीआई के साथ केंद्रीय अनुबंध नहीं है। यह केवल भारतीय खिलाड़ियों के लिए लागू होगा।'

102 डिग्री बुखार के बावजूद की बल्लेबाजी, भारतीय बल्लेबाज को ले जाना पड़ा अस्पताल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई और शेष भारत के बीच ईरानी कप मैच के दूसरे दिन के खेल के तुरंत बाद मुंबई के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को तेज बुखार के कारण लखनऊ के एक स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया। एक रिपोर्ट अनुसार ठाकुर ने बीमारी से जूझते हुए सरफराज खान के साथ मिलकर नौवें विकेट के लिए 73 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी में 36 रनों का योगदान दिया। जब वह क्रीज पर थे तो उन्हें 102 डिग्री बुखार था।

पहले दिन ठाकुर में बीमारी के लक्षण दिखाई देने लगे थे, उन्हें हल्का बुखार था। हालांकि दूसरे दिन करीब दो घंटे बल्लेबाजी करने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। ऑलराउंडर को पारी के दौरान दो बार ब्रेक लेना पड़ा, जिसके दौरान टीम के डॉक्टर ने उनका इलाज किया। अपने बिगड़ते स्वास्थ्य के बावजूद ठाकुर ने आगे बढ़कर अपनी टीम के लिए काम किया और अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखी। उनकी शानदार पारी के बाद मुंबई टीम प्रबंधन ने उन्हें पास के अस्पताल में ले जाने का फैसला किया, जहां उन्हें रात भर निगरानी में रखा जाएगा।

मेडिकल टीम ठाकुर की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, डॉक्टरों द्वारा उनका मूल्यांकन करने के बाद तीसरे दिन के लिए उनकी फिटनेस पर निर्णय लेने की उम्मीद है। एक सूत्र के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस ने लिखा ठाकुर पूरे दिन कमजोर महसूस कर रहे थे, लेकिन बुखार के बावजूद उन्होंने बल्लेबाजी करने पर जोर दिया। मलेरिया और डेंगू जैसी संभावित बीमारियों के लिए मेडिकल टेस्ट किए गए और मैच में उनकी आगे की भागीदारी के बारे में कोई भी निर्णय लेने से पहले टीम नतीजों का इंतजार कर रही है। ठाकुर ने 59 गेंदों पर एक छक्का और चार चौके लगाए। उन्होंने सावधानी से खेला, जल्दबाजी में शॉट लगाने से बचते हुए सरफराज खान का साथ देने की कोशिश की, जो दूसरे दिन के अंत में 221 रन बनाकर नाबाद रहे।

अश्विन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है: पाकिस्तान के महान खिलाड़ी ने माना

स्पोर्ट्स डेस्क। दो दिन बारिश में धुल जाने के बावजूद बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में भारत की जीत न केवल एक बार फिर टीम के कौशल और अजेय स्वभाव को उजागर करती है, बल्कि यह भी बताती है कि रोहित शर्मा और उनके लड़के शीर्ष पर पहुंचने के बाद भी कैसे बने रहते हैं। कई अन्यों की तरह पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा भी इस विशेषता के लिए भारतीय टीम से प्रभावित हैं। इसी के साथ ही वह रविचंद्रन अश्विन के काफी प्रभावित दिखे और कहा कि उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

रमीज ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस समय घरेलू मैदान पर टीम इंडिया को हराना सबसे कठिन है। लेकिन रोहित शर्मा की कप्तानी में टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए जो चीज और भी बेहतर बनाती है, वह है विदेशों में जीत। वे न केवल विदेशों में प्रतिस्पर्धी हैं, बल्कि मैच भी जीतते हैं, जिसकी वजह से भारत ने अपना दबदबा स्थापित किया है।'

भारत ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम की। मेजबान टीम ने चेन्नई में पहला टेस्ट 280 रन से और दूसरा सात विकेट से जीता। पाकिस्तान की 1992 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे रमीज ने रविचंद्रन अश्विन की उनके हरफनमौला कौशल के लिए विशेष प्रशंसा की। अश्विन ने पहले टेस्ट में शतक

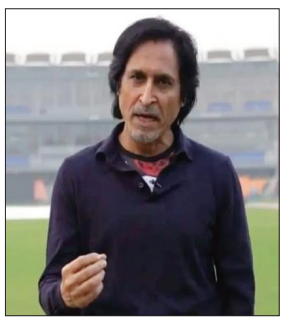

बनाया और साथी स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के साथ साझेदारी में महत्वपूर्ण रन जोड़े। इसके बाद अश्विन ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में छह विकेट लेकर भारत की बड़ी जीत पूरी की।

रमीज ने कहा, 'एक ऑलराउंडर के तौर पर उन्हें (अश्विन को) उतना सम्मान नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए। अगर आप उनके रिकॉर्ड को देखें, तो वे किसी से कम नहीं हैं...वे एक सीधे-सादे क्रिकेटर हैं, हर चीज को अपने हिसाब से लेते हैं। यहां तक कि जब वे 12वें खिलाड़ी होते हैं या टीम से बाहर होते हैं, तो भी वे किसी तरह का गुस्सा नहीं दिखाते। वे टीम की स्थिति और अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे शानदार खेलते हैं....अश्विन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। इसी तरह जडेजा भी हैं, जो महत्वपूर्ण मौकों पर अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हैं।'

ईरानी कप : सरफराज ने 15वीं तो अभिमन्यु ईश्वरन ने ठोकी 26वीं सेंचुरी, ईशान किशन भी चमके

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ के श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ खेलते हुए रैस्ट ऑफ इंडिया टीम ने भी जोरदार शुरूआत की है। दो दिन तक खेलने वाली मुंबई टीम ने पहली पारी में सरफराज खान के 222 रनों की बदौलत 537 रन बनाए थे जिसके जवाब में अभिमन्यू ने शतक लगाकर 50 ओवर के अंदर ही अपनी टीम को 200 रन पार करवा दिए। अभिमन्यू का यह शतक तब सामने आया है जब मुंबई की ओर से सरफराज ने दोहरा शतक जड़ा था। यह दोनों प्लेयर प्रथम श्रेणी में शानदार रिकॉर्ड रखते हैं। सरफराज ने जहां प्रथम श्रेणी का अपना 15वां शतक जड़ा है तो वहीं, अभिमन्यू भी अब 26 शतक जड़ चुके हैं।

मुंबई : 537-10 (141 ओवर)

मुंबई की शुरूआत खराब रही थी। 12वें ओवर के अंदर ही मुंबई ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा लिए थे। पृथ्वी

ने 4, अयुष 19 तो हार्दिक 0 पर आऊट हो गए। लेकिन तभी कप्तान अजिंकय रहाणे ने एक छोर संभाला और श्रेयस अय्यर (57) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। रहाणे शतक लगाने से चूक गए। उन्होंने 234 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 97 रन बनाए। इस दौरान सरफराज खान का उन्हें बाखूबी साथ मिला। सरफराज ने रहाणे के आऊट होने के बाद तनुष कोटियन (64) के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। अंत में शार्दुल ठाकुर ने बीमारी के बावजूद 59 गेंदों पर 36 रन बनाए। सरफराज 286 गेंदों पर 25 चौके और 4 छक्कों की मदद से 222 रन बनाने में सफल रहे और टीम स्कोर 537 तक पहुंचा दिया। रैस्ट ऑफ इंडिय की ओर से मुकेश कुमार ने 30 ओवर में 110 रन देकर 5 विकेट लीं। यश दयाल और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट लीं।

रैस्ट ऑफ इंडिया

जवाब में रैस्ट ऑफ इंडिया की शुरूआत भी खराब रही। जब कप्तान ऋतुराज गायकवड़ मात्र 9 रन बनाकर आऊट हो गए। साईं सुदर्शन भी 79 गेंदों पर 32 रनों का ही सहयोग कर पाए। लेकिन इस दौरान एक छोर संभाले खड़े अभिमन्यु ईश्वरन ने ताबड़तोड़ शॉट लगाए। उन्होंने रन रेट का समान बनाए रखा और 80 की स्ट्राइक रेट से अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्हें देवदत्त पड्डिकल और ईशान किशन ने भी सहयोग किया।

टेस्ट प्रारुप को लोकप्रिय बना रहे बुमराह , शमी सहित ये पांच गेंदबाज : जहीर

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा कहा है कि टेस्ट प्रारुप को एक बार फिर लोकप्रिय बनाने में जसप्रीत बुमराह , मोहम्मद शमी, कैगिसो रबाडा, पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाजों की अहम भूमिका रही है । ये सभी जहीर के पसंदीदा गेंदबाज हैं । जहीर का कहना है कि इन गेंदबाजों के प्रदर्शन से टेस्ट मैचों में रोमांच बढ़ रहा है क्योंकि टेस्ट के परिणाम निकल रहे हैं । जहीर ने कहा कि भारत ने लगातार दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेले हैं और वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है । इसलिए बुमराह और शमी मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल हैं । इसके अलावा, मैं रबाडा और हेज़लवुड और कमिंस को शामिल करुंगा । इन गेंदबाजों ने टेस्ट प्रारुप को अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है । बुमराह और शमी ने तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम के लिए मैच जीते हैं । बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बुमराह ने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई । वहीं शमी टखने की सर्जरी से उबर गये हैं और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 में वह खेलते नजर आयेंगे । शमी ने अब तक 64 टेस्ट, 229 विकेट लिए हैं जबकि बुमराह ने 38 टेस्ट में 170 विकेट लिए हैं । वहीं रबाडा ने 64 टेस्ट में 299 विकेट लिए हैं । हेजलवुड के नाम 70 टेस्ट में 273 विकेट और कमिंस के नाम 62 टेस्ट में 269 विकेट, हैं । जहीर ने भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह हमेशा जीतना चाहते हैं क्योंकि वह क्रिकेट को सबसे अधिक पसंद करते हैं ।

हरभजन ने रोहित को इस कारण धोनी से बेहतर कप्तान बताया

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने कहा है कि रोहित शर्मा कुछ मामलों में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से भी बेहतर कप्तान साबित हुए हैं । हरभजन ने कहा कहा, मैंने रोहित को धोनी से अधिक वरीयता इसलिए दी है क्योंकि रोहित खिलाड़ियों के कप्तान हैं । वह खिलाड़ियों के पास जाते हैं और उनसे पूछते हैं कि उन्हें क्या चाहिए । उनके साथी खिलाड़ी उनसे बहुत अच्छी तरह से जुड़ते हैं पर धोनी का अंदाज अलग था । धोनी किसी से बात नहीं करते थे । वह बिना बोले ही शांत रहकर अपने विचार व्यक्त करते थे । दूसरों से बात करने का यही उनका तरीका था । साथ ही कहा कि धोनी और रोहित पूरी तरह से अलग-अलग तरह के कप्तान हैं । धोनी कभी भी किसी खिलाड़ी को कहां क्षेत्ररक्षण करना है नहीं पूछते थे । वह सभी को अपनी गलतियों से सीखने का अवसर देते थे। धोनी तीन बार आईसीसी खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान हैं. जबकि रोहित ने भारत को अब तक एक बार ही टी20 विश्व कप जिताया है ।

महिला टी20 विश्व कप शुरू, निगार सुल्ताना ने पहले ही मुकाबले में बनाया रिकॉर्ड

खेल डैस्क ।आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 का उद्घाटन मुकाबला बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच खेला गया, जोकि निगार सुल्ताना का 100वां टी20 मैच भी है। निगार टूर्नामेंट के नौवें संस्करण में बांग्लादेश टीम का नेतृत्व कर रही है। सुल्ताना ने 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टी20ई डेब्यू किया। उन्होंने बहुत कम समय में खुद को बल्लेबाजी इकाई में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। वह 2016 महिला टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की अग्रणी रन-स्कोरर थीं। निगार सुल्ताना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नाबाद 113 रन है जिससे वह टी20ई में शतक बनाने वाली पहली बांग्लादेशी क्रिकेटर बनी थी। उस मैच में फरगना हक के साथ तीसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी

साझेदारी का रिकॉर्ड भी उनके नाम है, जो आज भी कायम है। उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। एक सक्षम विकेटकीपर-बल्लेबाज, सुल्ताना 2020 महिला टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की अग्रणी रन-स्कोरर भी थीं, जिन्होंने चार पारियों में 114 रन बनाए। जनवरी 2022 में, उन्हें मलेशिया में राष्ट्रमंडल खेल क्रिकेट क्वालीफायर टूर्नामेंट के लिए बांग्लादेश टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। सुल्ताना ने 2022 महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर में बांग्लादेश की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दो अर्धशतक सहित 5 पारियों में 180 रन के साथ टीम की शीर्ष रन-स्कोरर रही। उसी टूर्नामेंट के दौरान, वह टी20ई में 1,000 रन पूरे करने में सफल रही। सुल्ताना ने बल्ले और स्टंप के पीछे दोनों में विशिष्टता हासिल की है और अपने 100 मैचों में 8 अर्द्धशतक और एक शतक सहित 1,900 से अधिक रन बनाए।

विनेश फोगाट के बारे में बोली मैरीकॉम, वजन का प्रबंधन करना एथलीट की जिम्मेदारी है

मुंबई (एजेंसी)। छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एम सी मैरीकॉम ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक में 100 ग्राम से अधिक वजन होने के कारण पहलवान विनेश फोगाट को हुई निराशा को लेकर इस विवाद पर कहा कि निर्धारित सीमा के भीतर वजन बनाये रखना खिलाड़ी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है।

चार बच्चों की मां और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम (42 वर्ष) ने यहां एक कार्यक्रम के इतर पहली बार विनेश के बारे में बोलते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में समय सीमा में वजन का प्रबंधन करना एथलीट की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'मैं इतनी निराश हुई थी कि मैंने भी पिछले इतने वर्षों से यही वजन प्रबंधन किया है। वजन महत्वपूर्ण होता है, यह मेरी जिम्मेदारी है। मैं किसी अन्य को दोषी नहीं ठहरा सकती।'

मैरीकॉम ने कहा, 'मैं उसके (विनेश) मामले में यह नहीं कहना चाहती हूं। मैं यह सिर्फ अपने मामले में ही कह रही हूं। अगर मैं अपना वजन ही सही तरह से नहीं घटा पाऊंगी तो मैं कैसे खेलूंगी? मैं वहां पदक जीतने के लिए थी, मुझे ऐसा ही लगता है।' मैरीकॉम पहले भी अपने वजन कम करने का रूटीन बता चुकी हैं कि यह प्रक्रिया कितनी मुश्किल हो सकती है। मणिपुर की इस मुक्केबाज ने पिन वेट (46 किग्रा) वर्ग से शुरूआत की और फिर अपने अमेच्योर कैरियर में फ्लाईवेट (51 किग्रा) वजन में खेलने लगीं।

पेरिस में स्वर्ण पदक दावेदार मानी जा रही विनेश ने खाना पीना छोड़कर पूरी रात 'वर्कआउट' किया और अपने बाल भी कटाए लेकिन फिर भी वह 100 ग्राम से चूक गईं। मैरीकॉम खेल मंत्री मनसुख मांडविया से भारतीय मुक्केबाजी पर चर्चा करना चाहती हैं क्योंकि वह पेरिस ओलंपिक में देश के मुक्केबाजी अभियान से अब तक नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय महासंघ और खेल मंत्री से मिलकर बात करके समझना चाहती हूं कि 'किस चीज की कमी' हो रही है।

भारतीय मुक्केबाजी दल में दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन शामिल थीं लेकिन देश के नाम एक भी पदक नहीं हो सका। लंदन 2012 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारत की ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला मुक्केबाज बनी मैरीकॉम ने कहा, 'हम नतीजा जानते हैं, यह बहुत बुरा था। मैं जानना चाहती हूं कि किस चीज की कमी है।'

राज्यसभा की पूर्व सदस्य मैरीकॉम कहा, 'अगर जरूरत पड़ी तो मैं मुक्केबाजों से भी मिलूंगी। अगर खेल मंत्री को इसकी जानकारी है तो मैं उनसे भी इस पर चर्चा करना चाहूंगी।' उन्होंने यह भी दोहराया कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में हिस्सा लेना चाहती हैं। उन्होंने

कहा, 'मैंने अभी तक संन्यास नहीं लिया है लेकिन मैं हिस्सा लेना चाहती हूं। मैं मौके हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, पेशवेर मुक्केबाजी में लड़ने के लिए अपने मौके का इंतजार कर रही हूं। मैं वापसी करना चाहती हूं।' मैरीकॉम ने कहा, 'मैं तीन-चार साल और जारी रह सकती हूं, यही मेरी इच्छा है। मेरे अंदर जुनून और भूख है और मैं जारी करना चाहती हूं।'

स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले

लंदन ।डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे । इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा । शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है । अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजेता रही इटली की टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को बेहतर करने के प्रयास करेंगी। उसके शीर्ष खिलाड़ी जैपनिक सिनर, ग्रुप चरण से बाहर थे पर वह अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी

कर सकते हैं । अर्जेंटीना ने ब्रिटेन और कनाडा जैसे जैसी टीमों के कठिन ग्रुप में जीत के साथ ही यहां तक का सफर तय किया है । वहीं अर्जेंटीना की टीम दो एकल मैच और एक युगल मैच में इटली पर जीत का प्रयास करेगी । एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने तैयार रहेगी । ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित नहीं थे पर क्वार्टर फाइनल में वे नजर आ सकते हैं । वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान स्पेन और नीदरलैंड खेलेगी जबकि कनाडा का मुकाबला जर्मनी से होगा ।

विश्वकप का हर मैच अहम पर ऑस्ट्रेलिया को हराने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : मंधाना

दुबई ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराने के लिए सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा । मंधाना के अनुसार उनकी टीम को लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करना है पर ये आसान नहीं रहेगा । ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक तीन बार टी20 विश्व कप जीता है । साल 2020 में उसने फाइनल में भारत को हराया था । वहीं साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराया था । इस बार भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें एक ही ग्रुप में हैं । भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 13 अक्टूबर को खेलेगी । भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 अक्टूबर को खेलेगी । वहीं उसका दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से होगा । मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के पहले मैच से पहले कहा, 'विश्व कप का हर मैच महत्वपूर्ण होता है और सभी में सौ फीसदी देना होगा । वहीं न्यूजीलैंड और श्रीलंका भी काफी अच्छी हैं । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तो कोई गलती की ही नहीं जा सकती । ' उन्होंने कहा, 'हमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा । वह एक काफी अच्छी टीम है और उसे हराना बड़ी चुनौती है । ' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला हमेशा जुनून से भरा होता है । भारत-पाक मुकाबला छह अक्टूबर को होगा । मंधाना ने कहा, 'भारत और पाक के मुकाबले में दोनों टीमों के समर्थकों में जुनून रहता है । वहीं ऐसा खिलाड़ी भी इससे कुछ हद तक प्रभावित होते हैं जिससे ये रोमांचक हो जाता है । ' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए विश्व कप का हर मैच महत्वपूर्ण है और हम सभी में अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे ।'

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के दौरे के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषणा की, इन प्लेयर्स को मिली जगह

लंदन - इंग्लैंड ने जोस बटलर की अगुवाई में वेस्टइंडीज के दौरे के लिए अपनी सीमित ओवरों के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषणा की है । बटलर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर रहे थे । इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में बराबरी की थी और एकदिवसीय सीरीज में मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था । बटलर की अनुपस्थिति में फिल साल्ट और हैरी ब्रुक ने क्रमश- टी-20 और एकदिवसीय टीमों की अगुआई की थी । आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैड की टीम में लेग स्पिनर जाफर चौहान, जॉन टर्नर और डैन मूसली अनकैप्ड खिलाड़ी हैं । जॉन टर्नर और डैन मूसली ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें मैच नहीं खेलने का मौका मिला । इंग्लैंड 31 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच खेलेगा ।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैंड की टीम

जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, सैम करन, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपली और जॉन टर्नर ।

डाक्टर ने कर दिया था दौड़ने से मना, एथलीट ट्विंकल ने शानदार वापसी से ट्रैक पर बिखेरी चमक

नई दिल्ली (एजेंसी)। साहस, संकल्प और सहनशीलता, ये गुण एक खिलाड़ी को मजबूत बनाते हैं। एथलेटिक्स में चोट और जीत के बीच एक पतली रेखा होती है। शरीरिक फिटनेस की मांग गंभीर चोट का कारण बन सकती है। ऐसे में जहां कई खिलाड़ी हिम्मत हार जाते हैं, वहीं कुछ दृढ़ निश्चय के बदौलत मैदान में वापसी में वापसी कर और शानदार प्रदर्शन करते हैं। ऐसी ही अंतरराष्ट्रीय धावक हैं 26 वर्षीय ट्विंकल चौधरी।

पंजाब के जालंधर स्थित पटेल चौक की रहने वाली ट्विंकल को 2019 में एक रेस के दौरान पैर की हड्?डी में चोट लग गई थी। एक साल तक उपचार चला। ट्विंकल ने जब चोट से उभर कर अभ्यास शुरू किया तो काफी दर्द था। धावक ने दर्द को एक चुनौती के रूप में सहन किया। छह महीने तक शरीर को मजबूत बनाया। फिर, दोबारा ट्रैक पर लौटीं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल कर माता-पिता और जालंधर का नाम रोशन किया।

ट्विंकल ने बताया कि 2019 में उनके पैर के पिछले हिस्से की हड्डी में चोट लग गई थी। इसका उपचार उन्होंने दिल्ली के एक अस्पताल में करवाया। डाक्टर ने कहा, अब उनके लिए दौड़ना संभव नहीं होगा। ट्विंकल ने कहा उन्होंने हौसला नहीं छोड़ा। मन में ट्रैक पर वापसी का जज्बा था। एक वर्ष तक उपचार करवाने के लिए सप्ताह में एक बार दिल्ली जाती रहीं। डाक्टर की हर सलाह मानी। जब चोट 50 प्रतिशत ठीक हो गई थी तो धीरे-धीरे मैदान में अभ्यास करना शुरू किया। एक वर्ष तक किसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया।

ट्विंकल ने कहा, जब खिलाड़ी खेल व मैदान से दूर हो जाता है तो ऐसा लगता है सब कुछ खत्म हो गया है। ऐसे समय में स्वयं को सकारात्मक और मजबूत रखना होता है। इसके लिए उन्होंने ध्यान लगाया। सीनियर कोच सर्बजीत सिंह हैप्पी अभ्यास करवाते रहे ताकि दोबारा चोट की शिकायत न आए। ट्विंकल ने राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए गत फरवरी में बेंगलुरु में हुई ओपन नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मी रिले रेस में स्वर्ण पदक, 800 मीटर में रजत पदक, 400 मीटर रिले में कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने रूस में हुई ब्रिक्स गेम्स में 800 मीटर रेस में देश का प्रतिनिधित्व किया।

सूरत जिले के मांडवी तालुका के सुनीलभाई पाटिल ने गैर-पारंपरिक सौर ऊर्जा का उपयोग करके अपने घर का बिजली बिल किया शून्य

सूरत। ग्लोबल वार्मिंग का सामना कर रही दुनिया गंभीर ऊर्जा संकट से जूझ रही है। साथ ही प्रदूषण की वैश्विक समस्या भी विकराल रूप धारण कर चुकी है। दुनिया के देश पुन: प्राप्त ऊर्जा के उपयोग पर गंभीर हो रहे हैं। इस समस्या से निपटने के लिए बिजली उत्पादन, प्रवाह और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के गुजरात सरकार के ठोस संकल्प के साथ च्ग्रीन गुजरातज के पर्यावरण लक्ष्य को साकार करने की दिशा में ठोस रोडमैप के जरिए सरकार आगे बढ़ रही है। इसी उद्देश्य से राज्य में आवासीय बिजली उपभोक्ताओं में सोलर एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लागू की है। इस योजना के तहत सूरत जिले के मांडवी तालुका के सुनीलभाई जे. पाटिल ने पी.एम. सूर्य घर योजना (सोलर रूफटॉप) के तहत सौर ऊर्जा का उपयोग करके अपने घर का बिजली बिल शून्य कर दिया है।

मांडवी तालुका की पीएन पार्क सोसाइटी के बंगले की छत पर पर्यावरण के प्रति जागरूक पाटिल परिवार ने 4 किलोवाट क्षमता वाला सोलर रूफटॉप पैनल लगाकर प्राकृतिक सौर ऊर्जा का यथार्थ उपयोग किया है।

बिजली बिल की चिंता नहीं होती, इस पर खुशी जाहिर करते हुए सुनीलभाई कहते हैं कि सोलर लगाना फायदे का सौदा है। एक बार इंस्टॉलमेंट में आजीवन बिजली मिलती है। हमने 2020 में 4 किलोवाट का सोलर पैनल लगाया, जिसमें कुल रू1.61 लाख खर्च आया, जिसमें रू40,000 की सब्सिडी सरकार ने दी। इससे हमारे घर के कमरों, टीवी, फ्रिज, ए.सी. और अन्य जरूरतों का बिजली बिल शून्य हो गया है। हमारे घर का वार्षिक 2500 यूनिट का उपभोग है, जबकि हम गैर-पारंपरिक सौर ऊर्जा से अनुमानित 3500 यूनिट बिजली प्राप्त कर रहे हैं। अब हमें बिजली बिल की चिंता नहीं करनी पड़ती। सोलर पैनल लगाने से फायदा है और प्रदूषण मुक्त सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना गर्व की बात है।

आगे वे बताते हैं कि सोलर पावर उत्पन्न होने के बाद न केवल बिल नहीं आता, बल्कि अतिरिक्त यूनिट्स को बेचकर कमाई भी की जा सकती है। पहले हमारे घर का दो महीने का लगभग रू2500 का बिल आता था, जो अब शून्य हो गया है। इसके अलावा, रू15 से रू20 हजार की क्रेडिट के रूप में आमदनी हो रही है। सब्सिडी के साथ सोलर सिस्टम लगाकर आप इसका खर्च 4 से 5 साल में आसानी से निकाल सकते हैं।

ऋतु के अनुसार यूनिट उत्पादन में परिवर्तन

वे बताते हैं कि गर्मियों में दिन लंबा होने और ज्यादा धूप के कारण सोलर से ज्यादा बिजली उत्पन्न होती है। 4 किलोवाट में दिन के लगभग 20 यूनिट बिजली उत्पन्न होती है। सर्दियों में दिन छोटा होने के कारण 10 से 15 यूनिट और मानसून में बादलों के कारण 7 से 8 यूनिट बिजली उत्पन्न होती है।

सिस्टम सही तरीके से काम करे इसके लिए रखनी पड़ती है सिर्फ एक ही सावधानी:

सोलर सिस्टम अपलोड करने के बाद सिर्फ एक सावधानी रखनी होती है कि हर हफ्ते इसे ठीक से पानी से साफ करना आवश्यक है। अभी तो सिस्टम के साथ मिनी स्प्रिंकलर भी पैनल पर लगाया जा सकता है।

शहर के मालधारी समाज द्वारा गाय माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की गई

सुरत भुमि, सूरत।

सूरत के मालधारीसमाज के अग्रणी शैलेश रायका के नेतृत्व में एवं सूरत शहर के वरिष्ठ नेता श्री हरीश सूर्यवंशी की उपस्थिति में सूरत कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर को एक याचिका भेजकर गाय माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की गई । वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश सूर्यवंशी ने कहा कि हाल ही में महाराष्ट्र सरकार गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित करने के लिए अभियान चला रही है। अगर गाय को सच में राष्ट्रीय माता घोषित करना है तो वहां और केंद्र में बीजेपी की सरकार है. लेकिन चूंकि महाराष्ट्र में चुनाव आ रहे हैं तो वे इस तरह के मुद्दों की बात कर रहे हैं।गौरतलब है कि गुजरात में गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मुहिम चल रही है और सामाजिक नेता हरीश सूर्यवंशी उम्मीद जता रहे हैं कि गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित किया जाएगा। साथ ही गौ माता के हत्यारे को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और गौ मास निर्यातक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई।

श्री गणेश पूजन के साथ शुरू हुआ रामलीला महोत्सव

सुरत भुमि, सूरत।

श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट सूरत के तत्वधान में वृंदावन की श्रीहित राधावल्लभ रासलीला मंडली के रासाचार्य स्वामी त्रिलोकचंद शर्मा के सानिध्य में वेसु स्थित रामलीला मैदान में प्रथम दिन गुरूवार को रामलीला में श्री गणेश पूजन, रावण दिग्विजय, राम जन्म, विश्वामित्र आगमन मंचन हुआ। सर्वप्रथम आज ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन गोयल, संरक्षक राजेश्वर प्रसाद गुप्ता, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष बाबुलाल मित्तल सहित पदाधिकारीयो,कार्यकारिणी सदस्य द्वारा दीप प्रज्वलन कर धर्म ध्वजा,आरती पूजन, गणेश वंदना व लक्ष्मी नारायण के पूजन के पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

राजा दशरथ गुरू वशिष्ठ के यहां जाते हैं। इसके बाद पुत्र कामार्थ यज्ञ के बाद अग्निदेव प्रगट होकर खीर का प्रसाद देते हैं। यहां श्री राम जन्म की लीला का मंचन होते ही जयकारों से पंडाल गूंज उठा। फूलों की वर्षा के साथ ही बधाईयां गाई जाने लगी। विश्वामित्र राजा दशरथ के यहां आकर श्री राम व लक्ष्मण व अपने साथ भेजने का आग्रह करते हैं। गुरू वशिष्ठ के कहने पर राजा दशरथ दोनों राज कुमारों को विश्वामित्र के साथ वन में भेज देते हैं।बड़ा ही भावुक प्रसंग रहा ।

4 तारीख की लीला में तड़का वध,सुभाहु मारीच वध अहिल्या उद्धार एवम पुष्प वाटिका की लीला का दर्शन होगा।

बच्चों को बताई अग्रसेनजी की जीवनी

सुरत भुमि, सूरत।

महाराज अग्रसेन जयंती के मौके पर अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित महाराज अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में अग्रसेन जयंती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों को महाराजा अग्रसेन की जीवनी तथा समाज के लिए किये गये उनके कार्यों की जानकारी प्रदान की गयी। महाराजा अग्रसेन की छवि का अभिषेक, माल्यार्पण, दीपदान, महाराजा अग्रसेन की जीवनी एवं शिक्षाओं पर प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर विद्यार्थियों को प्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन में ट्रस्ट के अशोक टिबड़ेवाल, सुभाष अग्रवाल, अजय अग्रवाल, रतनलाल दारुका सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

अग्रसेन जयंती माल्यार्पण एवं नेत्रदाता परिवारों का हुआ सम्मान

सुरत भुमि, सूरत।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा गुरुवार को महाराजा अग्रसेनजी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के प्रांगण में सुबह 10 बजे ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं सदस्यों तथा ट्रस्ट की महिला एवं युवा शाखा द्वारा महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण के पश्चात् जयंती की एक दूसरे को बधाई दी गयी। इसके बाद गत वर्ष मरणोपरांत नेत्रदान करने वाले अग्रवाल परिवारों को अग्रसेन भवन के पंचवटी हॉल में ट्रस्ट द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में

उपस्थित सभी लोगों ने "ज्योत से ज्योत जगाते चलो..." गीत की धुन पर मोबाइल की लाइट व मोमबत्ती जलाकर अधिक से अधिक नेत्रदान करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ भाविन पटेल, समारोह अध्यक्ष डॉ प्रफुल शिरोया, अतिथि विशेष डॉ दिनेश पटेल सहित ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, सचिव अनिल शोरेवाला, सहसचिव दिनेश बंसल, कोषाध्यक्ष शशीभूषण जैन, सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

बादाम के पोषण से बढ़ाइये नवरात्रि का आनंद

नवरात्रि भारत के सबसे ज्यादा धूमधाम वाले त्यौहारों में से एक है। इसे विभिन्न क्षेत्रों में अनूठे तरीकों से मनाया जाता है। यह त्यौहार परिवारों और दोस्तों को एकजुट करता है। लोग खुशी के पल साझा करते हैं और उत्सव के उत्साह में डूब जाते हैं। नवरात्रि में खास व्यंजनों, स्नैक्स और मिठाइयों पर टूट पड़ने की परंपरा बेहद खास होती है और इससे अपनापन भी बढ़ता है। लेकिन इनमें से कई चीजें शुगर, फैट्स और कार्बोहाइड्रेट्स से भरपूर होती हैं और वजन बढ़ने, डायबिटीज तथा दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती हैं। जश्न का मजा लेते हुए अच्छी सेहत बनाये रखने के लिये सोच-समझकर खाना-पीना जरूरी है। अपने आहार में ज्यादा सेहतमंद चीजों, जैसे कि ताजे फल, सब्जियाँ और बादाम जैसे नट्स लेने से त्यौहार का खान-पान सेहत पर बुरा असर नहीं डालता है। यह संतुलन पाने का एक आसान तरीका है।

नवरात्रि के दौरान कई लोग उपवास रखते हैं या शाकाहारी आहार लेते हैं। इसमें बादाम भी शामिल हो जाए, तो आदर्श स्थिति बन जाएगी। बादाम में ग्लूटन नहीं होता है, पादप-आधारित प्रोटीन अच्छी मात्रा में होता है और 15 जरूरी पोषक-तत्व भी होते हैं। बादाम वीगन डाइट लेने वाले लोगों के लिये भी परफेक्ट होती हैं। तरह-तरह के इस्तेमाल में आ सकने के कारण बादाम नवरात्रि की पारंपरिक मिठाइयों और स्नैक्स का स्वाद बढ़ा देती हैं। स्वाद या त्यौहार के आनंद से समझौता किये बिना बादाम ज्यादा स्वास्थ्यकर विकल्प देती हैं।

नवरात्रि के विशेष पकवानों में बादाम डालने से स्वाद और कुरकुरापन बढ़ जाता है और सेहत को भी कई फायदे मिलते हैं। बादाम एलडीएल और टोटल कोलेस्ट्रॉल लेवल्स को कम करके दिल की सेहत को बेहतर बनाती हैं। जब बादाम को अच्छी तरह से संतुलित आहार में शामिल किया जाता है, तब वे ब्लड शुगर को मैनेज करने में भी मददगार होती हैं। प्रोटीन और डाइटरी फाइबर समेत 15 जरूरी पोषक-तत्वों से भरपूर बादाम संतुष्टि देती हैं और आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगने देती हैं। बादाम वजन को सही रखने में सहायक होती हैं और उन्हें नियमित रूप से खाने पर त्वचा भी ज्यादा स्वस्थ और चमकदार हो जाती है। इसका कारण बादाम में मौजूद विटामिन ई है, जोकि एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह विटामिन ऑक्सीडेटिव नुकसान से बचाता है और त्वचा की सेहत का समर्थन करता है। भारतीयों के लिये हाल ही में जारी हुई इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन (आईसीएमआर-एनआईएन) की डाइटरी गाइडलाइंस बादाम जैसे नट्स को पोषक मानती हैं। उनके अनुसार बादाम को अच्छी सेहत के लिये रोजाना खाया जा सकता है। बादाम को संतुलित आहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिये, क्योंकि वह पादप प्रोटीन का स्रोत है और सेहत को बढ़ाने वाला स्नैक भी।

मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में डायटेटिक्स की रीजनल हेड ऋतिका समद्दार ने कहा, ''नवरात्रि के दौरान देश के कई हिस्सों में लोग उपवास रखते हैं, लेकिन कई लोगों को उसका सही तरीका पता नहीं होता है। उपवास का सबसे महत्वपूर्ण पहलू होता है उसे तोड़ने का तरीका। काफी प्रोसेस किया हुआ, मीठा या जंक फूड खाने से बचना मायने रखता है। इसके बजाए बादाम जैसे पोषक विकल्पों को अपनाया जाना चाहिये। बादाम में ऐसे कुछ अनिवार्य पोषक-तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की समग्र तंदुरुस्ती में योगदान देते हैं। अपने आहार में मुट्ठीभर बादाम को शामिल करने से आपकी सेहत को तरह-तरह के फायदे हो सकते हैं। इन फायदों में वजन को नियंत्रित रखने में सहयोग, ब्लड शुगर लेवल्स को सही रखने में मदद और बुरे कोलेस्ट्रॉल के लेवल्स को कम करने में सहायता शामिल है।''

ओरा पर नवरात्रि से मिलेगी सुंदर ज्वेलरी रोमांचक ऑफरों के साथ

नवरात्रि और दशहरा जैसे त्योहारों की शुरुआत के साथ ओरा फाइन ज्वेलरी ने अपने नए आभूषण पेश किए हैं। इनमें हीरे के मंगलसूत्र शामिल हैं, जो इस जीवंत मौसम के सौंदर्य और परंपरा का प्रदर्शन करते हैं। त्योहारों पर ग्राहकों का रूप निखारने के लिए ओरा के पास हीरे के पेंडेंट सेट हैं, जो कालातीत सौंदर्य के साथ पारंपरिक मनोरम डिज़ाइन में बने हैं, जिससे उनका आकर्षण और बढ़ जाता है। ओरा ने ये डिज़ाइन आधुनिक महिलाओं के लिए पेश किए हैं, जिनमें हीरे की बारीक नक्काशी से लेकर भव्य आभूषण शामिल हैं।

ओरा के मंगलसूत्र में आधुनिकता के साथ शाश्वत परंपरा का मेल है। हर डिज़ाइन बहुत बारीकी से तैयार किया गया है, जो महिलाओं को त्योहारों के लिए एक स्टेटमेंट पीस प्रदान करता है। ये मंगलसूत्र चमकदार हीरे और सोने की कारीगरी का अद्भुत मिश्रण पेश करते हैं, जो उत्तमता और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक हैं। मंगलसूत्र का यह नया संग्रह त्योहारों के हर रूप को और ज्यादा आकर्षक बना देगा। इनके साथ हैं, हीरे के खूबसूरत पेंडेंट, जो अपनी नजाकत और आकर्षक हीरों के लिए मशहूर हैं, और किसी भी पोशाक की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। इस संग्रह का हर एक पेंडेंट ऊंची पसंद का प्रतीक है, जो नवरात्रि और दशहरे की खुशियाँ बढ़ा देता है।

इन त्योहारों पर ओरा अपने विशेष रूप से तैयार किए गए डिज़ाइनर सेट्स के साथ अपने बहुमूल्य ग्राहकों को खुशी मनाने के लिए आमंत्रित कर रहा है। इसके साथ ही उन्हें मिल

रहे हैं, अब तक के सबसे आकर्षक ऑफर। इन विशेष ऑफर्स का लाभ उठाने के लिए अपने नज़दीकी ओरा स्टोर पर आइए:

हीरों के आभूषणों पर 25त्न तक की छूट

सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 25% की छूट

0% ब्याज श्वरूद्ध

पुराने सोने के आभूषणों के लिए 0% कटौती।

*नियम व शर्तें लागू

यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है, जो नवरात्रि और दशहरा के दौरान लागू रहेगा।

फैशन और ज्वेलरी विक्रेताओं के लिए सेकेल का उपक्रम

पुणे ।

पुणे स्थित सेकेल टेक ने विशेष रूप से फैशन और ज्वेलरी विक्रेताओं के लिए डिज़ाइन किए गए हाइपरलोकल मार्केटिंग सॉल्यूशंस पेश किए हैं। इस मार्केटिंग सॉल्यूशन टूल की कीमत केवल रू6,000 से शुरू होती है। यह उन्नत समाधान डेटा विश्लेषण और स्वचालित विपणन का एक किफायती और प्रभावी संयोजन प्रदान करता है, जिससे खुदरा विक्रेता अपने व्यवसायिक रणनीतियों में सुधार कर सकें।

यह समाधान उपयोगकर्ताओं को रियल-टाइम इनसाइट जानकारी प्रदान करता है, और सेकेल का प्लेटफ़ॉर्म फैशन और ज्वेलरी व्यवसायों को छुपी हुई क्षमताओं को अनलॉक करने और सटीकता के साथ मार्केटिंग प्रयासों को सुव्यवस्थित करने में मदद करता है।

सेकेल टेक के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश रघुवंशी ने कहा, "हमारे नए हाइपरलोकल मार्केटिंग सॉल्यूशंस को फैशन और ज्वेलरी खुदरा विक्रेताओं को आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में सफल होने के लिए सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

Sekel tech
GOING BEYOND

लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल ने 'सर्वश्रेष्ठ नाइसर ग्लोब उपयोगकर्ता कंपनी' पुरस्कार से सम्मानित किया

मुंबई।

स्पेशियलिटी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल (आईसीसी) ने 2023 के लिए प्रतिष्ठित 'बेस्ट नाइसर ग्लोब यूजर कंपनी अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार लैंक्सेस इंडिया की सुरक्षा और स्थिरता के प्रति उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता को मान्यता देता है, खासकर परिवहन क्षेत्र में। कंपनी ने अपने च्एम्पावर्ड ड्राइवरज पहल के माध्यम से इन प्रयासों को सफलतापूर्वक लागू किया है।

यह सम्मान लैंक्सेस इंडिया को 20 सितंबर को मुंबई में आईसीसी के 59वें वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान दिया गया, जिसमें केमिकल उद्योग के कई प्रमुख लीडर्स शामिल थे।

लैंक्सेस इंडिया हमेशा से अपने उद्योग में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। कंपनी ने च्नाइसर ग्लोबज पहल की शुरुआत की है, जो परिवहन में सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति में बेहतर प्रतिक्रिया के लिए बनाई गई है। लैंक्सेस ने इस पहल के तहत दूसरी केमिकल कंपनियों के साथ मिलकर सुरक्षित परिवहन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य मानकों और सेवाओं की पेशकश की है।

लैंक्सेस इंडिया की 'एम्पावर्ड ड्राइवर' पहल का उद्देश्य ड्राइवरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुधारना है। इस पहल के तहत ड्राइवरों को सलाह, प्रशिक्षण और नियमित मेडिकल जांच की सुविधा दी जाती है। ड्राइवरों के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें इनाम भी दिए जाते हैं, ताकि उन्हें बेहतर काम करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन

और मैनेजिंग डायरेक्टर नमितेश रॉय चौधरी ने कहा, "हम इस पुरस्कार को पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। लैंक्सेस इंडिया में हम हमेशा अपने कर्मचारियों, समुदाय और पर्यावरण की सुरक्षा और भलाई को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। हमारी पहलें, जैसे 'एम्पावर्ड ड्राइवर' प्रोग्राम और नाइसर ग्लोब के साथ हमारा सहयोग, यह दिखाते हैं कि हम परिवहन में सुरक्षा को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी एवं देखभाल की संस्कृति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पुरस्कार हमें प्रेरित करता है कि हम अपने सभी कार्यों में उत्कृष्टता के लिए लगातार प्रयास करते रहें और केमिकल उद्योग के विकास में सकारात्मक योगदान देते रहें।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)